संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 32
पृष्ठ 8
शनिवार
19 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आपका शर्मीलापन कही....
विचार- मणिपुर में फिर चूकी....
खेल- हरमनप्रीत न्यूजीलैंड के....

सीएम योगी बोले: यूपी में असीमित क्षमता, पूरा होगा वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सपना

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के संकल्प की पूर्ति की दिशा में जारी प्रयासों, अब तक के परिणामों और भावी नीति पर विमर्श किया। बैठक में विभिन्न मंत्रीगणों, शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों, सलाहकारों, विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 10 सेक्टरों में जारी कार्यों की समीक्षा की। कंसल्टिंग एजेंसी डेलॉयट इंडिया ने विस्तार से प्रदेश के आर्थिक परिवेश की वर्तमान स्थिति और संभावित भावी परिणाम, उद्योग जगत की अपेक्षाओं आदि के संबंध में सेक्टरवार विस्तार से जानकारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विगत 07 वर्षों के नियोजित प्रयासों से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था आज सार्वकालिक सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है। 2021–22 में प्रदेश की कुल जीडीपी घ16.45 लाख करोड़ थी जो आज 2023–24 में घ25.48 लाख करोड़ से अधिक हो गई है। इस वर्ष हमारा जीएसडीपी लक्ष्य घ32 लाख करोड़ का है। सभी के सहयोग से यह लक्ष्य भी पूरा होगा। इन 07 वर्षों में जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से अधिक हुई है। उत्तर प्रदेश आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। सेक्टरवार विकास के हमारे प्रयासों के आशातीत परिणाम मिल रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए अलग–अलग सेक्टरों के लिए सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) का जो लक्ष्य रखा गया, उसके सापेक्ष अधिक वृद्धि देखी गई है। कृषि और सहायक सेक्टर के लिए अनुमानित जीवीए 5.85 लाख करोड़ के सापेक्ष 5.98 लाख करोड़, विनिर्माण के 2.48 लाख करोड़ के सापेक्ष 2.79 लाख करोड़, ट्रांसपोर्ट, स्टोरेज और कम्युनिकेशन के अनुमानित जीवीए के सापेक्ष 129: की वृद्धि दर्ज की गई है। स्पष्ट है व्यापार, होटल, परिवहन और प्रसारण से संबंधित संचार सेवाओं की वृद्धि दर में तेजी आई है। ऐसे ही हाल अन्य सेक्टरों में भी है। ओवरऑल 2023–24 में राज्य के लिए अनुमानित जीएसवीए 23 लाख करोड़ के सापेक्ष सकल मूल्य वर्धन 23.24 लाख करोड़ रहा है। यह स्थिति अर्थव्यवस्था की बेहतर स्थिति को प्रदर्शित करती है। +1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था (ओटीडीई) के लक्ष्य की प्राप्ति में सभी विभागों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह लक्ष्य बड़ा है। पिछले वर्ष का रिपोर्ट कार्ड भी विभागों की सक्रियता को प्रदर्शित करता है। हमारी नीति और नियोजन सही है। आवश्यकता है बड़े लक्ष्य के लिए अपनी स्पीड तेज करने की जरूरत है। इसकी रेग्युलर मॉनीटरिंग होनी चाहिए। इसके लिए हर विभाग में इसके लिए एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए। नोडल अधिकारी साप्ताहिक, प्रमुख सचिव स्तर पर पाक्षिक और विभागीय मंत्री के स्तर पर मासिक समीक्षा बैठक की जाए। आंकड़ों का संग्रहण शुद्धता के साथ होना आवश्यक है। इसके लिए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपी) से संवाद–समन्वय बनाएं। उनके अनुभवों का लाभ लें। सही आकलन के लिए विभागवार सांख्यकीय अधिकारियों के लिए कार्यशाला/प्रशिक्षण का आयोजन करें। डेटा जितना शुद्ध होगा, लक्ष्य के लिए हम उतना ही बेहतर प्रयास कर सकेंगे। 2023–24 में प्रदेश का कम्पाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) लगभग 16: दर्ज किया गया है। यह स्थिति उत्साहजनक है। वर्तमान वर्ष के लिए 25: का लक्ष्य है। सभी विभागों को अपने प्रयास तेज करने होंगे। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है। सभी को मिलकर सही नीति और नियोजित क्रियान्वयन के लिए प्रयास करना होगा। हर सेक्टर में अवसर हैं, हमें नवाचारों को बढ़ावा देना होगा। कृषि सेक्टर में सीड इकोसिस्टम को बेहतर करना होगा, इसके लिए सीड पार्क जैसे प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता है। किसानों को दलहन, तिलहन, मिलेट अन्न की बोआई के लिए प्रोत्साहित करते हुए फसल विविधीकरण एवं बेहतर सप्लाई चेन मैनेजमेंट और बेहतर करने की आवश्यकता है। अनाज, फल और सब्जियों के उत्पादन की वृद्धि दर को दोगुनी तेजी देने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। हार्टिकल्चर में श्पर श्ब्लॉक–वन क्रॉपश जैसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। किसानों को प्रशिक्षित करें, संसाधन उपलब्ध कराएं, नवाचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रान्सफार्म के मंत्र का अर्थव्यवस्था के द्वितीयक खंड सबसे अच्छा परिणाम देखने को मिला है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की तेज वृद्धि दर उत्साहित करने वाली है। भविष्य की जरूरतों के दृष्टिगत लैंडबैंक के विस्तार, नीतिगत सुधार और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अपने प्रयासों को तेज करना होगा। अनेक निवेशक उत्तर प्रदेश में आने के लिए तैयार हैं। टेक्सटाइल पार्क, सोलर पार्क, प्लेज पार्क के अनेक प्रस्ताव मिल रहे हैं। हमें इस अनुकूल अवसर का लाभ उठाना चाहिए। औद्योगिक परियोजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता होगी। सभी को अतिरिक्त प्रयास करना होगा। ग्राम समाज की भूमि औद्योगिक विकास और एमएसएमई के

प्रदेश में बिगड़े हालात से सीएम योगी नाराज, कई अधिकारियों की होगी छुट्टी

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश में लगातार खराब होते माहौल और उसको रोकने में पुलिस प्रशासन की नाकामी के चलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ब्यूरोक्रेसी और पुलिस प्रशासन से काफी नाराज बताये जा रहे हैं। योगी की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह है उन्हें लगता है कि बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान कई जिलों में अधिकारियों की लापरवाही की वजह से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की घटनाएं हुई उसे जल्द कार्रवाई करके रोका जा सकता था। इसी से नाराज पुलिस के हाकिम डीजीपी प्रशांत कुमार ने बहराइच समेत आधा दर्जन से अधिक जिलों में हुई घटनाओं को लेकर संबंधित एडीजी जोन से जल्द से जल्द रिपोर्ट देने को कहा था। सूत्रों के मुताबिक तीनों एडीजी जोन ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों की मानें तो बहराइच में सीओ महसी रूपेंद्र कुमार गौड को निलंबित करने के बाद कुछ अन्य अफसर भी जांच के दायरे में हैं। इसी तरह कौशांबी, देवरिया, कुशीनगर, गोंडा, बलरामपुर आदि में हुई घटनाओं की रिपोर्ट का गहनता से अध्ययन कर लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों को चिन्हित किया जा रहा है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र जैन को मिली जमानत

● केजरीवाल ने लिखा– वेलकम बैक

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को आप नेता और दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जमानत दी। इसमें मुकदमे में देरी और उनके लंबे समय तक जेल में रहने का हवाला दिया गया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मुकदमे में देरी और 18 महीने की लंबी कैद और इस तथ्य को देखते हुए कि मुकदमा शुरू होने में लंबा समय लगेगा, निष्कर्ष की बात तो दूर, आरोपी को राहत दी जानी चाहिए। इससे पहले सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश राकेश स्याल ने आरोपियों और ईडी की ओर से आवेदन पर दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। जैन के वकील ने अदालत से कहा था कि उन्हें आगे हिरासत में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। ईडी ने आवेदन का विरोध करते हुए कहा था कि यदि जैन को रिहा किया गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। ईडी का मामला 2017 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जैन के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से सामने आया है। जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2009–10 और 2010–11 में फर्जी कंपनियां बनाईं। इन कंपनियों में अकिंचन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इंफो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इस मामले में ईडी ने सत्येंद्र जैन के अलावा जिन्हें आरोपी बनाया है उनमें उनकी पत्नी पूनम जैन, अजीत प्रसाद जैन, सुनील कुमार जैन, वैभव जैन, अंकुश जैन, मेसर्स अकिंचन डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्स प्रयास इंफो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और जेजे आइडियल इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी बनाया गया है। ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया था।

वेलकम बैक सत्येंद्र

जमानत मिलने पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, सत्येंद्र जैन को भी दो साल से ज़्यादा जेल में रहने के बाद बेल मिल गई।

दिल्ली डाक्टर्स ने उठाई 'अभया के लिए न्याय' के लिए आवाज, स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षा उपायों की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या की घटना को लेकर रोष पूरे देश में फैला हुआ है। सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने भी अभया के लिए न्याय की मांग की है। डॉक्टरों ने मृतक

साथी के लिए न्याय की चल रही लड़ाई में कार्रवाई का आग्रह किया है। दिल्ली आरडीए एक्शन कमेटी, जो एम्स, सफदरजंग अस्पताल, आरएमएल अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों का एक प्रमुख संगठन है, ने पश्चिम बंगाल की राजधानी में अपने प्रदर्शनकारी साथी डॉक्टरों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। "अभया के लिए न्याय" की मांग के अलावा, समिति ने देश भर के अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपाय करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बेनामी लेनदेन कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने 2022 का अपना फैसला लिया वापस

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को वर्ष 2022 के अपने उस फैसले को वापस ले लिया, जिसमें बेनामी लेनदेन निषेध अधिनियम 1988 की धारा 3(2) को असंवैधानिक घोषित किया गया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि असंशोधित बेनामी लेनदेन अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिकता को मूल कार्यवाही में कभी नहीं उठाया गया या इस पर बहस नहीं की गई। शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें

सुनने के बाद केंद्र सरकार की समीक्षा याचिका स्वीकार कर ली। पीठ ने कहा कि ऐसा लगता है कि बेनामी लेनदेन निषेध अधिनियम 1988 के असंशोधित प्रावधान की धारा 3 (2) को स्पष्ट रूप से मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 20 (1) का उल्लंघन करने के कारण असंवैधानिक घोषित किया गया था। शीर्ष अदालत ने पाया कि 2016 के संशोधन से पहले असंशोधित अधिनियम की धारा 5 के प्रावधानों को इस आधार पर असंवैधानिक घोषित किया गया है कि वे स्पष्ट रूप से मनमाने हैं। पीठ ने कहा, "यह निर्विवाद है कि असंशोधित प्रावधान की संवैधानिक वैधता को कोई चुनौती नहीं दी गई थी। वास्तव में, पीठ के समक्ष विचार के लिए उठे प्रश्न से यह स्पष्ट है कि समीक्षा की अनुमति दी जानी चाहिए।" पीठ ने कहा, "इन परिस्थितियों में हम 23 अगस्त 2022 के फैसले को वापस लेते हैं और समीक्षा याचिका को अनुमति देते हैं। इस तरह सिविल अपील को प्रशासनिक पक्ष पर मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित पीठ के लिए नए सिरे से निर्णय के लिए बहाल किया जाता है।"

पंजाब में मादक पदार्थ का तस्कर गिरफ्तार, एक किलो से अधिक हेरोइन जब्त

चंदीगढ़ी, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के पाकिस्तान से संचालित हो रहे गिरोह के साथ कथित तौर पर संबद्ध एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सीमा पार से तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'पठानकोट काउंटर इंटेलिजेंस' ने गुरदासपुर पुलिस के साथ चलाए गए एक संयुक्त अभियान में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1.350 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति पाकिस्तान से संचालित हो रहे तस्करी गिरोह के संपर्क में था।

व्यापारियों के मुट्ठियां भींचते ही उतरा रौब का रंग, पीडीए बोला- नहीं तोड़ेंगे कोई घर

प्रयागराज। प्रमुख मार्गों के किनारे घरों को निजी खर्चे पर एक रंग में रंगने से इन्कार पर ध्वस्तीकरण का नोटिस थमाने के खिलाफ मेयर–सांसद भी लोगों के साथ आ गए हैं। व्यापारी सीएम के नाम की चिट्ठी बना चुके हैं। इसे आज भेजेंगे। विरोध–प्रदर्शन देख पीडीए ने कहा, किसी का घर नहीं तोड़ेंगे। मंडलायुक्त ने भी पीडीए वीसी से बातचीत कर समाधान निकालने को कहा है। महाकुंभ की पांच हजार करोड़ से अधि ाक की सरकारी परियोजनाएं चल रहीं हैं, लेकिन प्रमुख मार्गों के रंगरोगन के लिए कोई बजट नहीं मिला है। पीडीए उपाध्यक्ष डॉ. अमित पाल शर्मा ने 28 सितंबर को दिए आदेश में चिह्नित 10 मार्गों पर अपने खर्चे से एक माह के भीतर रंगरोगन कराने को कहा है। नहीं कराने पर इसे प्राधिकरण कराएगा जरूर, लेकिन बाद में कार्रवाई भी करेगा। इसे लेकर कटरा, बैरहना, तेलियरगंज, झूंसी, नैनी, छिवकी, सुलेमसराय आदि इलाकों के लोगों ने रंगरोगन कराने में असमर्थना जताई है। हालांकि, सिविल लाइंस, एसपी मार्ग, एमजी मार्ग आदि में रंगरोगन शुरू हो गया है। पीडीए ने कटरा के दशकों पुराने भवनों के नक्शे का हवाला देकर ध्वस्तीकरण का नोटिस भेजने पर कटरा के व्यापारियों ने बृहस्पतिवार को भी जोरदार विरोध जताया। श्री कटरा व्यापार मंडल ने दोहराया है कि आम जनता और व्यापारी रंगाई–पोताई का खर्चा क्यों उठाएं। यह जिम्मेदारी पीडीए की है। उसे ही इसका खर्च वहन करना चाहिए। दरअसल, पीडीए ने कटरा क्षेत्र में लक्ष्मी टॉकीज चौराहे से मनमोहन पार्क चौराहा एवं आनंद भवन से तहसील सदर जाने वाली सड़क पर बने मकान एवं प्रतिष्ठान एक रंग में रंगने को कहा गया है। इन्कार करने पर नोटिस देने के विरोध में कटरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद आनंद अग्रवाल की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को व्यापारियों की बैठक हुई। तय हुआ कि व्यापारी इस मामले में शुक्रवार को सीएम योगी को पत्र भेजेंगे। आनंद अग्रवाल ने कहा कि पीडीए अफसर सरकार को बदनाम करने के लिए ऐसा कृत्य कर रहे हैं। यह निंदनीय है। व्यापारियों ने कहा कि अगर पीडीए अपने खर्च से रंग रोगन करवाता है तो व्यापारी और व्यापार मंडल पूरा सहयोग करेंगे। अगर इसी तरह से तानाशाही जारी रही तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे। वहीं, व्यापार मंडल ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल करने के लिए वकीलों की एक टीम गठित कर दी है। श्री कटरा व्यापार मंडल के संरक्षक अवधेश चंद्र गुप्ता की अगुवाई में बृहस्पतिवार को प्रतिनिधिमंडल फूलपुर सांसद प्रवीन पटेल से मिला। गोपाल बाबू जायसवाल ने उन्हें बताया कि रंगरोगन नहीं कराने पर सुलेम सराय, सिविल लाइंस और पूरे कटरा क्षेत्र में व्यापारियों को पीडीए नोटिस दे रहा है। इससे व्यापारियों में गहरा रोष है। व्यापारी अनुराग जायसवाल, प्रमेश जैन, गिरिश गुप्ता आदि ने कहा कि अधिकारी जानबूझकर मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को बदनाम कर रहे हैं। सांसद ने तुरंत ही कमिश्नर विजय विश्वास पंत से फोन पर बात की। कहा, मामले की गंभीरता समझें, फिर कोई कदम उठाएं। कमिश्नर ने दो दिन में भीतर समाधान निकालने का भरोसा दिया है। इसके बाद कमिश्नर ने पीडीए वीसी से बात की और लोगों को भरोसे में लेकर उचित समाधान निकालने के निर्देश दिए। वहीं, शहर के प्रथम नागरिक महापौर गणेश केसरवानी ने नोटिस की जानकारी से ही इन्कार किया। हालांकि, यह भी जोड़ा कि किसी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होने देंगे। न किसी का घर टूटेगा और न ही कोई अन्य कार्रवाई ही होगी। बढ़ते विरोध के बीच अब पीडीए के अधिकारी भी बैकफुट पर हैं। पीडीए के जोनल अधिकारी संजीव कुमार उपाध्याय का कहना है कि किसी का मकान नहीं गिराया जा रहा है। लोगों से रंग–रोगन कराने का अनुरोध किया है। इससे शहर की सुंदरता बढ़ेगी। कई लोगों ने रंग–रोगन शुरू भी कर दिया है। पूर्व पार्षद आनंद अग्रवाल का दावा है कि अफसरों की कार्यशैली बेनकाब होने के बाद पीडीए के जोनल अफसर संजीव उपाध्याय ने फोन किया था। उन्होंने कहा है कि व्यापारी सहयोग करें, पीडीए नोटिस वापस ले लेगा। आनंद के अनुसार उन्होंने जोनल अफसर से कहा है कि पीडीए अपने खर्चे से रंग रोगन कराए, जिसमें सभी व्यापारी सहयोग करेंगे। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव विक्रांत पांडेय का कहना है कि पहले अपना मकान एक रंग में रंगवाने का आदेश देना और फिर दबाव बनाने के लिए मकान को अवैध निर्माण बताकर नोटिस देना पीडीए की तानाशाही को ही दर्शाता है। जब लोग सालों पहले अपने मकान बनवा रहे थे, तब पीडीए कहां था। इस मुद्दे पर हम व्यापारियों के साथ हैं और जरूरत पड़ने पर उनकी कानूनी लड़ाई भी लड़ेंगे। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) द्वारा सिविल लाइंस क्षेत्र की दो प्रमुख सड़कों के भवनों एवं प्रतिष्ठानों को एक ही रंग में रंगे जाने का फरमान जारी किया गया है। यहां व्यापारी इस कार्य में सहयोग करने के लिए तो तैयार हैं, लेकिन सिविल लाइंस क्षेत्र में तमाम भवन एवं शोरूम ऐसे हैं जिनकी बाहरी दीवारों पर पेंट नहीं बल्कि एसीपी लगी हुई है। इसे बदलवाने के लिए उन्हीं बड़ी रकम खर्च करनी होगी। बताया जा रहा है कि जिन शोरूम और प्रतिष्ठानों की बाहरी दीवारों पर एल्युमीनियम कम्पोजिट पैनल (एसीपी) लगा हुआ है, वह काफी निराश हैं। उनका कहना है कि इस पर रंग नहीं चढ़ सकता है। एक बार इसे लगवाने पर 20 से 25 वर्ष तक यह आसानी से चल जाता है। सिविल लाइंस व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुशील खरबंदा ने कहा कि यहां एमजी मार्ग एवं नवाब युसूफ रोड पर स्थित भवन, दुकान आदि को एक रंग में रंगा जाना है। व्यापारी सहयोग करने के लिए तैयार भी हैं लेकिन पीडीए ने 31 अक्तूबर तक यह कार्य पूरा करने का फरमान दिया है।

सुशील खरबंदा ने कहा कि दिवाली इसी माह है। इसी माह कारोबार ठीक चलता है। ऐसे में अगर व्यापारी रंगाई पुताई कराएंगे तो उसमें काफी समय लग जाएगा। उससे उनकी दुकानदारी भी प्रभावित होगी। वैसे भी इस समय रंगाई पुताई के लिए लेबर नहीं मिल पा रहे हैं, इसलिए पीडीए 31 अक्तूबर की तारीख को और आगे बढ़ाए। कहा कि रंग रोगन की वजह से जिन व्यापारियों को दिक्कतें हो रही हैं और जो अपना सुझाव देना चाहते हैं, उसे लेकर शनिवार 19 अक्तूबर को व्यापारियों की एक बैठक आयोजित की जा रही है।

सिपाही पर दर्ज गैर इरादतन हत्या मामले की जांच छह सप्ताह में पूरी करें, कोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने गाजीपुर के गहमर थाने के सिपाही पर दर्ज गैर इरादतन हत्या के मामले की जांच छह सप्ताह में पूरी करने का निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी व न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने राजकिशोर सिंह की याचिका पर दिया। शिकायतकर्ता राजकिशोर सिंह निवासी ग्राम गहमर पट्टी भैरो राय, गहमर ने सिपाही व दो अन्य पर बेटे विकास कुमार सिंह की हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। सिपाही पर नौकरी लगवाने के नाम पर बेटे से पांच लाख रुपये लेने का आरोप भी लगाया था। राजकिशोर ने पुलिस की ओर मामले की विवेचना शीघ्र कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याची के वकील राकेश प्रताप सिंह ने दलील देते हुए मामले की शीघ्र, निष्पक्ष व उचित जांच करने की कोर्ट से प्रार्थना की।

भगवान शिव की मूर्ति तोड़ने के आरोपी को नहीं मिली जमानत, नफरत पैदा करने वालों के साथ नरमी नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सावन में भगवान शिव की मूर्ति तोड़ने व पुजारी पर चाकू से हमला करने के आरोपी शाहरुख की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कहा कि ऐसे अपराध, जिनसे लोगों या समुदायों के बीच नफरत को बढ़ावा मिलता है, उन्हें सख्ती से दबाना होगा। समुदाय और लोगों की

भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों पर नरम रुख अपनाकर इन अपराधों को समाज में पनपने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह आदेश न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की अदालत ने दिया। बरेली के इज्जतनगर थाना में शाहरुख पर मंदिर की मूर्ति तोड़ने व पुजारी पर चाकू से हमला करने के आरोप में मुकदमा दर्ज है। आरोपी 22 जुलाई 2024 से जेल में बंद है। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट से गुहार लगाई थी। आवदेक के वकील ने दलील दी कि याची के भाई साजिद खान ने एसपी को 23 जुलाई 2024 को पत्र भेजकर सूचना दी थी कि उसका भाई घटना के समय घर पर था। बाद में साढ़े आठ बजे मंडी बाजार गया था। इसका सीसीटीवी फुटेज भी है। सरकारी वकील ने दलील दी कि मूर्ति तोड़ने में वह शामिल था। सह अभियुक्त अशरद ने उसका नाम लिया था। पुजारी राम किशन शर्मा व पत्नी अनीता चश्मदीद गवाह है। राम किशन पर आवेदक ने चाकू से हमला भी किया था। सह अभियुक्त अकरम मौके से पकड़ा गया है। चाकू भी बरामद किया गया है।

नवंबर में पूरा होगा इनर रिंग रोड के पहले चरण का काम, फर्राटा भर सकेंगे वाहन

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 की परियोजना में शामिल इनर रिंग रोड का काम 30 नवंबर 2024 तक पूरा हो जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दावा किया है कि वह करछना और फूलपुर में बन रही फोर लेन की 23 किलोमीटर का कार्य समय से पूरा कर लेगा। महाकुंभ के दौरान दूर–दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिल सकेगा। इसके अलावा जाम से भी निजात मिलेगी। पहले चरण के निर्माण कार्य में फूलपुर की तरफ 10.50 किलोमीटर के अंतर्गत सड़क व छह अंडर पास, एक फ्लाईओवर व एक रेलवे पुल का निर्माण किया जा रहा है। इसका लगभग 60 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है। ऐसे में एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि 30 नवंबर तक फूलपुर की तरफ हो रहे निर्माण कार्य को पूरा कर लेंगे। वहीं दूसरी तरफ करछना से लेकर गंगा यमुना नदी के किनारे तक कुल 12.50 किलोमीटर का निर्माण कार्य हो रहा है। इसमें एक अंडरपास के अलावा सड़क शामिल है। करछना की तरफ भी 65 फीसदी निर्माण पूरा हो चुका है। एनएचएआई के अधि ाकरियों ने बताया कि 20 नवंबर तक करछना की तरफ के काम को पूरा कर लिया जाएगा। करछना की तरफ का काम मेले के दौरान नदी के किनारे बनाए जाने वाले पार्किंग तक होना है। बता दें कि करछना और फूलपुर तहसील के अंतर्गत कुल 194.57 हेक्टेयर भूमि 23 किलोमीटर सड़क के लिए अधिग्रहीत की गई है। करछना व फूलपुर की तरफ इनर रिंग के पहले चरण का काम निर्धारित समय में पूरा कर लिया जाएगा।

आईपीएल के बाद इंडिया टीम में मेजा की प्रिया मिश्रा का चयन, गांव में खुशी का माहौल

प्रयागराज। मेजा के मदरा मुकुंदपुर गांव के संदीप मिश्रा की बेटी प्रिया मिश्रा का आईपीएल के बाद अब इंडिया टीम क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। प्रिया मिश्रा का पूरा परिवार दिल्ली में रहता है। इंडिया टीम में प्रिया का चयन होने से गांव में खुशी का माहौल है। भारत की महिला क्रिकेट टीम में प्रयागराज की प्रिया मिश्रा का चयन होने पर क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता जताई है। प्रिया मिश्रा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली इनिंग में चार विकेट लिया था। इसके पहले उन्होंने वनडे सीरीज में भी कमाल का प्रदर्शन किया था।

हाईकोर्ट में पीएम मोदी के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट में वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई शुक्रवार को होगी। पीएम मोदी के खिलाफ नामांकन पत्र दाखिल करने वाले विजय नंदन का नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया था। जिसको उन्होंने अदालत में चुनौती दी है। मध्य प्रदेश के सिवनी के रहने वाली विजय नंदन ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी से नामांकन पत्र भरा था, लेकिन बिना कोई कारण दर्शाए उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया था। इसी को आधार बनाते हुए उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयोग सहित जिला निर्वाचन अधिकारी वाराणसी और पीएम नरेंद्र मोदी को प्रतिवादी बनाते हुए चुनाव याचिका दाखिल की है। प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव के खिलाफ याचिका दाखिल करने वाले संत विजय नंदन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान कानूनी सलाह लेने की मोहलत दी थी। साथ ही कोर्ट ने याचिका दाखिल करने में हुई देरी पर भी हलफनामा मांगा था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह की अदालत कर रही है। याची संत ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है कि नरेंद्र मोदी को चुनावी फायदा पहुंचाने के लिए उनका नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया था। चुनाव याचिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निर्वाचन रद्द करने, याची के नामांकन को वैध करार देकर वाराणसी सीट पर फिर से चुनाव कराने, उचित मुआवजा दिए जाने और निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

इविवि में खोली गई दशकों पुरानी तिजोरी, निकले 500 साल पुराने सोने के सिक्के और ताम्रपत्र

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के केंद्रीय पुस्तकालय में रखी दशकों पुरानी तिजोरी से तकरीबन पांच सौ साल पुराने सोने के सिक्के निकले हैं। साथ ही दो अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी पाए गए, जिनमें पर्शियन भाषा में लिखा शाही फरमान और ताम्रपत्र पर अंकित पाली भाषा में विनय पिटक भी शामिल है। कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की देखरेख में लगातार दूसरे दिन में तिजोरी के तीन लॉकरों को खोलने की कोशिश जा रही और आखिर इसमें सफलता मिली। तिजोरी के भीतर बहुमूल्य पुरातात्विक धरोहरें मिलीं, जिसमें अलग–अलग काल और लिपियों में तकरीबन 500 सिक्के शामिल हैं। इनमें से कुछ सिक्के सोने के हैं। प्रारंभिक जांच में विशेषज्ञों ने इन सोने के सिक्कों को कश्मीर के एक आदिवासी समुदाय (किडाइट्स किंगडम) से जोड़ते हुए तकरीबन पांच सौ साल पुराना बताया है। इन सिक्कों पर ब्रह्मी लिपि अंकित है और इनका अनुवाद किसी केदार नाम के व्यक्ति ने किया है। सोने के ये सिक्के मध्यकालीन इतिहास के हैं और एक सिक्के का वजन 7.34 ग्राम और इसका व्यास 21 एमएम है और ये गोल आकार के सिक्के हैं। वहीं, अन्य धातुओं के सिक्कों के बारे में अभी कुछ खास पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर इतनी ही जानकारी सामने आई है कि ये सिक्के अलग–अलग काल और लिपियों से संबंधित हैं। इनके अलावा तिजोरी से एक एक शाही फरमान निकला है, जो पर्शियन भाषा में लिखा गया है और ताम्रपत्र पर अंकित पाली भाषा में विनय पिटक पाया गया है। इविवि की पीआरओ प्रो. जया कपूर ने बताया कि कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के समक्षा लॉकर खोला गय और उसमें रखी हुई पुरातात्विक धरोहरों की सूची तैयार की गई। समिति के समक्ष समस्त धरोहर सील लगाकर लॉकर में पुनः रख दी गईं हैं। इविवि की पीआरओ प्रो. जया कपूर ने बताया कि प्राप्त की गईं पुरातात्विक धरोहरों को विशेषज्ञों द्वारा विवरण सहित तैयार करके संग्रहालय की योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा। इन्हें इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संग्रहालय में रखा जाएगा, जो शोधार्थियों के लिए शोध सामग्री के रूप में भी काम आएंगी। दशकों बाद पता चला कि इविवि के पास हैं अमूल्य धरोहरअगर कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव लॉकर का न खुलवातीं तो शायद यह भविष्य में भी लंबे समय तक राज ही बना रह जाता कि केंद्रीय पुस्तकालय में रखी तिजोरी में पुरातात्विक महत्व की अमूल्य धरोहरें बंद हैं। इस प्रयास के बाद विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए भी शोध के नए रास्ते खुले हैं। अब भी यह सवाल बना हुआ है कि इविवि के पास पुरातात्विक महत्व वाले ये सिक्के, शाही फरमान और विनय पिटक कब और कहां से आया? केंद्रीय पुस्तकालय में तिजोरी कब लाकर रखी गई? इस तिजोरी पर दशकों तक किसी का ध्यान क्यों नहीं किया? आखिर तिजोरी की चाभी कहां गई? ऐसे ही कई दूसरे सवाल भी इन पुरातात्विक महत्व की धरोहरों को लेकर उठ रहे हैं, जिनका जवाब भविष्य में इविवि प्रशासन द्वारा विशेषज्ञों से जांच कराए जाने पर मिल सकता है। सूत्रों का कहना है कि पूर्व कुलपति प्रो. खेत्रपाल के कार्यकाल में अंग्रेजी विभाग में शिक्षक रहे प्रो. मानस मुकुल दास के नेतृत्व में इस बाबत एक समिति का गठन किया गया था, जिसकी देखरेख में यह तिजोरी केंद्रीय पुस्तकालय में रखी गई थी। इविवि केंद्रीय पुस्तकालय में रखी तिजोरी खोले जाने के मामले में छात्रों ने आरोप लगाया है कि यह कार्य नियम विरुद्ध किया गया। जिला प्रशासन के किसी प्रतिनिधि के समक्ष तिजोरी खुलवानी जानी चाहिए थी। इस मामले में समाजवादी छात्रसभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय यादव ने मुकदमा दर्ज कराने के लिए कर्नलगंज थाने में तहरीर दी है। वहीं, छात्रों के विरोध को देखते हुए तिजोरी खोले जाने की प्रक्रिया के दौरान दोनों केंद्रीय पुस्तकालय के बाहर पुलिस फोर्स तैनात रही।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट भी लगा

प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में दशहरा के दिन किशोरी को घर से खींचकर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने पचखरा घूरपुर निवासी शनि और छोटू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता के बयान पर पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की भी धारा जोड़ दी है। 12 अक्तूबर को महिला ने शिकायत दी थी कि 17 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म हुआ है। इस मामले में पुलिस ने पहले छेड़खानी का मुकदमा दर्ज किया। पीड़िता के बयान के बाद दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धारा जोड़ी गई है। किशोरी के बयान के मुताबिक, शनि अपने चार दोस्तों के साथ घर आया। दरवाजा खोलने पर सभी ने मुझे खींचकर कर घर के बाहर खड़ी कार में जबरन बिठा लिया। इसके बाद मुंह दबाकर दुष्कर्म किया गया। बृहस्पतिवार को पुलिस ने कपारी मोड़ से शनि और छोटू को गिरफ्तार किया। उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस को अब मामले में फरार चल रहे अन्य तीन आरोपियों की तलाश है।

सीएम योगी की मौजूदगी में महाकुंभ में 51 हजार कन्याओं का होगा वंदन, लगाई जाएगी झांकी

प्रयागराज। महाकुंभ में संगम तीरे देश के प्रमुख आध्यात्मिक संगठनों के सेवा कार्यों की प्रदर्शनी हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान की ओर से लगाई जाएगी। इसमें देश के बड़े आश्रमों एवं

मठों की ओर से किए जा रहे सेवा कार्यों की झांकी लगाई जाएगी। इस अवसर पर 51 हजार कन्याओं का वंदन होगा। कार्यक्रम में सीएम योगी भी शामिल होंगे। बृहस्पतिवार को यह जानकारी हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के अखिल भारतीय संयोजक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य गुणवंत सिंह कोठारी ने दी। ज्वाला देवी इंटर कॉलेज में प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि उन्होंने बताया कि हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान ने अब तक 12 राज्यों में 30 हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले आयोजित किए हैं। इसके माध्यम से 4000 से ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सेवा कार्यों को समाज के सामने प्रदर्शनी के माध्यम से उद्घाटित किया है। इस वर्ष महाकुंभ के दौरान अनेक साधु–संतों के सत्संग का भी कार्यक्रम किया जाएगा। सत्य साइन बाबा इस्कॉन, गायत्री परिवार, माता अमृतानंदमई माता, साध्वी ऋतंभरा, अक्षरधाम आदि आध्यात्मिक संगठन भारत की जनता के लिए अस्पताल, विद्यालय, संस्कार केंद्र ,स्वावलंबन केंद्र पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण आदि का कार्य बड़े व्यापक पैमाने पर कर रहे हैं। आध्यात्मिक संगठनों के यह सेवा कार्य समाज के सामने लाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जयपुर, इंदौर, मुंबई, पुणे ,हैदराबाद में भी हिंदू आध्यात्मिक संगठनों के द्वारा सेवा कार्यों की प्रदर्शनी और मेला का आयोजन किया जा रहा है।

गड़बड़ी करने की वाइस रिकॉर्डिंग मिलने पर एफआईआर, सिविल लाइंस पुलिस ने की कार्रवाई

प्रयागराज। 20 अक्तूबर को प्रस्तावित उप्र प्राविधिक शिक्षा अध्यापन सेवा परीक्षा–2021 (प्रवक्ता) के आठ विषयों पर होने वाली परीक्षा को रद्द कर दिया गया था। अब परीक्षा में गड़बड़ी करने की वाइस रिकॉर्डिंग मिलने पर आयोग ने सिविल लाइन थाने में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। उप्र लोक सेवा आयोग के उपसचिव धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नालॉजी भदोही के निदेशक राजीव कुमार वार्ष्णेय ने आयोग को 14 अक्तूबर को एक ई–मेल भेजा था। इसमें परीक्षा में गड़बड़ी करने के संबंधित एक वाइस क्लिप संग्लन की थी। बताया गया कि यह आवाज उक्त इंस्टिट्यूट के कर्मचारी राजीव वर्मा की है। दो लोगों के बीच आवाज से पता चला कि 20 अक्तूबर को होने वाली प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा–2021 परीक्षा को लेकर बात कर रहे थे। शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने दोनों के खिलाफ भष्ट्राचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि जीरो एफआईआर कर भदोही थाने को केस सौंप दिया गया है।

अगरतला–लोकमान्य तिलक में 28 यात्री आ रहे थे छिवकी, सभी सुरक्षित

प्रयागराज। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनल जाने वाली ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने हेल्प लाइन नंबर जारी किया है। बताया जा रहा है कि इस ट्रेन से कुल 28 यात्रियों का प्रयागराज छिवकी के लिए रिजर्वेशन था। रेलवे अफसरों का कहना है कि सभी यात्री सुरक्षित है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार दोपहर 3.55 बजे पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के दिबलांग स्टेशन के निकट गाडी संख्या 12520 अगरतल्ला–लोकमान्य तिलक टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस के इंजन सहित आठ कोच पटरी से उतर गए। इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और सभी यात्री सुरक्षित है। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह का कहना है कि यात्रियों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए चुनार स्टेशन पर हेल्पलाइन नंबर 7518202598, मिर्जापुर स्टेशन पर 7518704411 एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर हेल्पलाइन नंबर 9473836997 जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रेन के एसी कोच से 28 यात्री प्रयागराज छिवकी आ रहे थे। सभी पैसेंजर सुरक्षित हैं। उन्हें भोजन, चिकित्सा सहायता आदि प्रदान की गई है।

आज से चार दिन प्रयागराज नहीं आएगी वंदे भारत, 69 ट्रेनों का रूट रेलवे ने बदला

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन यार्ड की रिमॉडलिंग के लिए रेलवे का मेगा ब्लॉक शुक्रवार 18 अक्तूबर से शुरू हो रहा है। इस वजह से अगले चार दिन वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली दोनों वंदे भारत ट्रेन प्रयागराज जंक्शन नहीं आएंगी। इसके अलावा प्रयागराज से नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस का संचालन 18 से 21 अक्तूबर तक सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से ही होगा। यह ट्रेन प्रयागराज जंक्शन नहीं आएगी। दरअसल महाकुंभ के दौरान ट्रेनों के सुगम आवागमन के लिए रेलवे द्वारा प्रयागराज यार्ड की रिमॉडलिंग की जा रही है। इस वजह से प्रयागराज जंक्शन पर आने वाली 69 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। फिलहाल वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली दोनों वंदे भारत का प्रयागराज जंक्शन पर 18 से 21 अक्तूबर तक आगमन–प्रस्थान नहीं होगा। वाराणसी से दोनों वंदे भारत वाया लखनऊ, कानपुर होकर संचालित होंगी। इसके अलावा आगरा–वाराणसी वंदे भारत 19 से 21 अक्तूबर तक प्रयागराज जंक्शन नहीं आएगी। प्रयागराज एक्सप्रेस की तरह ही सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से ही दिल्ली हमसफर , प्रयागराज–बीकानेर एक्सप्रेस का संचालन होगा। 12275 प्रयागराज–नई दिल्ली हमसफर 18, 20 अक्तूबर, 22437 प्रयागराज–आनंद विहार टर्मिनल 19, 21 अक्तूबर, 12276 नई दिल्ली– प्रयागराज हमसफर 18, 19 अक्तूबर को आएगी। इसी तरह 12403 प्रयागराज– बीकानेर 19, 21 अक्तूबर, 20403 प्रयागराज–बीकानेर 18, 20 अक्तूबर, 12404 बीकानेर– प्रयागराज 18, 20 अक्तूबर, 20404 बीकानेर–प्रयागराज, 19 अक्तूबर को सूबेदारगंज स्टेशन पर ही आएगी। वहीं 12293 लोकमान्य तिलक–प्रयागराज दुरंतो एक्सप्रेस 18 अक्तूबर, 12294 प्रयागराज– लोकमान्य तिलक दुरंतो 19 अक्तूबर, 22968 प्रयागराज– अहमदाबाद 18 अक्तूबर को सूबेदारगंज स्टेशन से ही संचालित होगी। प्रयागराज जंक्शन के यार्ड में रिमॉडलिंग की वजह से प्रयागराज–हजरत निजामुद्दीन समेत कई ट्रेनें 18 से 21 अक्तूबर तक अलग–अलग तिथि पर निरस्त रहेंगी। 04123 प्रयागराज– निजामुद्दीन 20 अक्तबर, 04124 निजामुद्दीन– प्रयागराज 17, 21 अक्तूबर, 09526 नाहरलगुन–हापा 19 अक्तूबर, 04146 दिल्ली–सूबेदारगंज 18 अक्तूबर, 02421 सूबेदारगंज– दिल्ली 20 अक्तूबर, 02422 दिल्ली–सूबेदारगंज 21 अक्तूबर, 02417 प्रयागराज–दिल्ली 18 अक्तूबर, 02418 दिल्ली–प्रयागराज 19 अक्तूबर, 09062 गाजीपुर सिटी–उधना 18 अक्तूबर, 04181 सूबेदारगंज–कानपुर मेमू, 04182 बनारस, बनारस–रामेश्वरम प्रमुख रूप से शामिल है।

रज्जू विवि में रामायण सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। रामायण हमें त्याग सिखाती हैं। यह प्रेरणा की प्रतिमूर्ति के रूप में विश्व में विख्यात है। इसका अध्ययन हमें निरन्तर करना चाहिए। विश्व में राम कथा के कई प्रकार हैं किन्तु वाल्मीकि रामायण का जो स्थान है , वह स्वयं में अनूठा है। उक्त बातें संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं संस्कृत विभाग, यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय, प्रयागराज, वैश्विक संस्कृत मञ्च, प्रयागराज मण्डल के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित रामायण सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की अभिप्रेरणा से अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने कहीं। उन्होंने आगे कहा कि रामायण में राम का चरित्र मर्यादा पुरुषोत्तम की अनूठी छवि प्रस्तुत करता है। उन्होंने जो भी कार्य किया है वह इतिहास में अमर हैं और वाल्मीकि रामायण में बताए गए मूल्यों के अनुसार हमें चलना चाहिए। निर्णायक के रूप में डॉ. महविश अंजुम, सहायक आचार्य भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि श्रीराम भगवान् के आदर्श रूप को त्यागतपोमयता के कारण जाना जाता है। हमें त्यागपूर्वक भोग करने की ओर अभिप्रेरित होना चाहिए। त्याग जैसे गुण से आज का मनुष्य दूर हो रहा है। अतः हमें त्यागतपोमयता का आश्रय श्रीमद्वाल्मीकिरामायण के आधार लेना चाहिए। इस कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में डॉ. प्रियंका सिंह, सहायक आचार्य, ईश्वर शरण डिग्री महाविद्यालय ने कहा रामायण पर हमें गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, महासचिव वैश्विक संस्कृत मञ्च, प्रयागराज मण्डल एवं सहायक आचार्य, सी. एम. पी. महाविद्यालय, आयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग एवं उप कुलानुशासक प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं संयोजक डॉ. आरुणेय मिश्र, सहायक आचार्य संस्कृत विभाग, यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय, प्रयागराज रहे। निर्णायक प्रक्रिया के आधार पर प्रथम पुरस्कार दृ प्रशान्त कुमार सिंह (2100७–) द्वितीय पुरस्कार – हंसमुख कुमारी (1500७–) तृतीय पुरस्कार– हर्षिता (1100७–) 2 सान्त्वना पुरस्कार दृ सन्दीप कुमारदूबे (500७– शिवम मिश्र (500७–) को प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्टता एवं प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग के अतिथि प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने किया।

अतिथि प्रवक्ता डॉ. प्रिया झा ने समस्त अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ प्रशान्त सिंह, डॉ. मनोज कुमार यादव, डॉ. अखण्ड प्रताप पाल , डॉ. देवकीनन्दन, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. दीक्षा शुक्ला, डॉ. आनन्द त्रिपाठी,अनन्तजी, शिखा श्रीवास्तव , नितिन, अंजली, हंसमुख, ऋषभ, जीतेंद्र, देवेन्द्र , संदीप, आदित्य, अनुराग आजाद, शिवम् , श्रीनाथ, शुभम कुमार, आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

आरटीआई जवाब में उत्तर प्रदेश में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम पर महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा

लखनऊ, एजेंसी। हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार के विधि विभाग के जन सूचना अधिकारी राजेंद्र प्रसाद यादव द्वारा दिए गए आरटीआई जवाब से अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। यह आरटीआई देश के प्रमुख कानूनी जागरूकता, पारदर्शिता, जवाबदेही और मानवाधिकार कार्यकर्ता संजय शर्मा द्वारा दायर की गई थी। संजय शर्मा, जो अपने निःस्वार्थ समर्पण के लिए जाने जाते हैं, ने समाज के कल्याण और न्याय के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे न केवल कानूनी समुदाय बल्कि पूरे समाज को लाभ हो रहा है। शर्मा द्वारा बीती 16 सितम्बर को दायर की गई इस आरटीआई के माध्यम से उत्तर प्रदेश में लंबे समय से लंबित अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के क्रियान्वयन की स्थिति और इसके संबंध में की गई चर्चाओं की जानकारी मांगी गई थी। संजय शर्मा की यह पहल उनके न्याय और कानूनी समुदाय के कल्याण के प्रति समर्पण को दर्शाती है, और यह सुनिश्चित करती है कि सरकारी नीतियों और कार्रवाइयों को जनता के समक्ष पारदर्शी रूप में प्रस्तुत किया जाए। आरटीआई प्रतिक्रिया 7 अक्टूबर 2024 को जारी की गई है, जो आरटीआई अधिनियम द्वारा निर्धारित 30 दिनों की समय सीमा के भीतर है।विधेयक की लंबित स्थिति, आरटीआई के जवाब में यह पुष्टि की गई है कि राज्य सरकार ने अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की आवश्यकता को स्वीकार किया है, लेकिन अभी तक इस विधेयक को विधानसभा में पेश नहीं किया गया है। इस देरी ने उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जो अपने कार्य में कई प्रकार की चुनौतियों और खतरों का सामना करतेहैं। विधि विभाग की भूमिका उत्तर प्रदेश का विधि विभाग अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम से संबंधित प्रस्तावों के प्रारूपण में शामिल रहा है। हालांकि, विभागीय विचार–विमर्श के बावजूद, यह प्रक्रिया अपेक्षा से धीमी रही है। इस खुलासे से कानूनी समुदाय में सरकार से जल्द से जल्द इस प्रक्रिया को तेज करने की मांग उठी है। अधिवक्ताओं की सुरक्षा जवाब में अधिवक्ताओं की सुरक्षा के मुद्देपर प्रकाश डाला गया है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। सरकार की मंशा अधिवक्ताओं को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने की है, लेकिन इस मंशा और वास्तविक क्रियान्वयन के बीच अब भी अंतर बना हुआ है। तत्काल कार्रवाई की आवश्यकतारू आरटीआई में राज्य में तत्काल अधिवक्ता संरक्षण संबंधी कानून लाने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया गया। है, जो अन्य राज्यों में पहले से मौजूद सुरक्षा प्रावधानों की तरह हो। उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता लगातार अपने व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए जोखिम का सामना कर रहे हैं, और इस दिशा में कानूनी ढांचा न होने से उनकी समस्याएं और बढ़ गई हैं। संजय शर्मा, जो कानूनी पारदर्शिता और मानवाधिकारों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं, ने एक बार फिर से न्याय के प्रति अपने अटूट समर्पण को प्रदर्शित किया है। उनकी आरटीआई पहल के माध्यम से, वे लगातार जनता को महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर सामाजिक बदलाव के लिए प्रेरित कर रहे हैं। राज्य सरकार से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कराने के लिए उनके निःस्वार्थ प्रयासों ने उन्हें कानूनी सक्रियता के क्षेत्र में अग्रणी स्थान दिलाया है। उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता समुदाय को अब अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम के पारित होने की प्रतीक्षा है, और संजय शर्मा की इस दिशा में की गई कार्रवाई यह दर्शाती है कि नागरिकों की भागीदारी और सतर्कता से ही कानूनी पेशेवरों के अधिकारों और सुरक्षा की अनदेखी नहीं की जा सकती। उनका निरंतर प्रयास यह संदेश देता है कि वास्तविक बदलाव सक्रिय भागीदारी और लगातार प्रयासों से ही आता है। संजय शर्मा का न्याय के प्रति यह समर्पण, कानूनी समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। उनका निःस्वार्थ संघर्ष पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली की स्थापना के लिए साहस और समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

एम्बुलेंस ड्राइवरों ने कंपनी ऑफिस घेरा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में डॉयल 108 और 102 एम्बुलेंस ड्राइवर और टेक्नीशियन का प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को आशियाना स्थित कंपनी कार्यालय का घेराव कर नौकरी बहाली की मांग की। इस दौरान कंपनी ने करीब 200 बाउंसर बुला लिए, जिन्होंने नारेबाजी कर रहे ड्राइवरों और टेक्नीशियन को वहां से हटाने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी कंपनी अधिकारियों से बात करने की बात पर अड़े रहे। मौके पर गहमागहमी बनी हुई है।

बेदख़ली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे दो पुत्र आशीष यादव व अरुण यादव जिसमे **आशीष यादव** की संगति अराजक लोगो से है जो हम परिवार के कहने सुनने मे नहीं रहता है , और लड़ाई झगड़ा करता रहता है, जिससे हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल होती रहती है। उसके इस कृत्य से परेशान होकर **मैं अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ**। यदि आशीष यादव किसी से लेन देन या अवैध कार्य करता है उसकी स्वयं की ज़िम्मेदारी होगी।

संतोष कुमार यादव

निवासी - बंधवा मेजा रोड थाना मेजा प्रयागराज।

विंध्य क्षेत्र में ही वाल्मीकि ने रामायण की रचना की- डॉ0 जितेंद्र कुमार सिंह 'संजय'

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर काव्य गोष्ठी

मीरजापुर। शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर नगर के कवियों ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर कवि केदारनाथ सविता के आवास लक्ष्मण प्रसाद की गली , वासलीगंज में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित साहित्यकार, इतिहासवेत्ता और शोधपरक लेखक डॉक्टर जितेन्द्र कुमार सिंह श्संजयश थे। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि भोलानाथ कुशवाहा एवं हिंदी – संस्कृत के मणिकांचन संयोग के साथ गोष्ठी का संचालन कवि एवं समीक्षक अरविंद अवस्थी ने किया।

मुख्य अतिथि जितेन्द्र कुमार सिंह श्संजयश ने अपने सारगर्भित व्याख्यान के माध्यम से आदि कवि के विषय में विभिन्न प्रसंग प्रस्तुत किया।उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र में ही महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। अपने कविता पाठ में उन्होंने सुनाया–

श्नर क्रौंच को तीर लगा क्षण में,

ऋषि के उर हूक लगी हुई थीश

अध्यक्ष भोलानाथ कुशवाहा ने अपनी नई कविता सुनाई –

श्मैं कबीर से अलग, लाखों करोड़ों की तरह सिर झुकाता रहा, पत्थरों और चित्रों में,

मैं कबीर कैसे बनता

मैं कबीर नहीं बन पाया श

नवगीत एवं गजलकार गणेश गंभीर ने कुंडलियां प्रस्तुत की–

श जीवन में दुरूख हैं कई, सुख भी हैं दो चार। अपनी सबसे पट रही , सबसे है व्यवहार।।श

कवि अरविंद अवस्थी ने वृक्षों का महत्व बताते हुए सुनाया ––

होता तो फूलता – फलता, छाँव भी देता,मगर दूर – दूर तक , न एक भी शजर देखा।।श

प्रसिद्ध भोजपुरी कवि लल्लू तिवारी ने आदिकवि को इस तरह याद किया –श्जिन्होंने रामायण लिख हम पर उपकार किया,ऐसे गुरुदेव वाल्मीकि को नमन है।श गुमनाम मिर्जापुरी ने स्त्री की पीड़ा व्यक्त किया––श्गिराई, जलाई, दबोची जाती, अबला जीवन जीती है।श कवि केदारनाथ सविता ने आदि कवि को याद करते हुए कहा –श्आदिकवि वाल्मीकि ने असहाय सीता को आश्रय प्रदान किया।श युवा कवि श्याम अचल ने संस्कृति को महत्व देते हुए सुनाया –

श मेरी संस्कृति है मेरी मां, मेरा अस्तित्व उससे है।मेरा किरदार ये असली कहाँ जाए कहां जाए।श युवा कवयित्री पूजा यादव ने बेटी को आधार बनाकर कविता प्रस्तुत की––

जिम्मेदारी का दूसरा नाम है

घर की बड़ी बेटी।श कवयित्री नंदिनी वर्मा ने श्रृंगार – गीत प्रस्तुत कर वाहवाही पाई––

श्अब टूटा स्वप्न मेरा , मैं जागी श

गोष्ठी के प्रारंभ में जगज्जननी विंध्यवासिनी के चित्र पर अतिथियों ने माल्यार्पण किया तथा पूजा यादव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

मनरेगा योजना में फर्जी मजदूरो के खिलाफ मुखर हो रहे ग्रामीण

लोकपाल मनरेगा की जन सुनवाई में परिवादियो द्वारा मजदूरों के बेरिफिकेशन की हो रही मांग

चौपाल लगाकर होगा मजदूरों का सत्यापन – लोकपाल

. प्रतापगढ़ सलोकपाल मनरेगा की जनसुनवाई व जन संवाद कार्यक्रम में मनरेगा योजना में फर्जी मजदूरों के खिलाफ ग्रामीण मुखर हो रहे है। मजदूरों के बेरिफिकेशन के लिए जहाँ बिहार के खरगीपुर ग्राम पंचायत के ओम प्रकाश शुक्ल ने मांग की वहीं सांगीपुर ब्लाक के भैरवन ग्राम के संजय गिरी ने लोकपाल को ग्राम में १५ कार्यो की सूची प्रस्तुत कर गुणवत्ता के जांच की मांग की जिस पर लोकपाल समाज शेखर ने बीडीओ से जांच कराने का निर्णय लिया। लोकपाल मनरेगा की जन सुनवाई में लालगंज ब्लाक के कोटवा शुकुलपुर के प्रधान देवनाथ पांडेय व ब्लाक तकनीकी सहायक शिव शरण यादव व अतुल त्रिपाठी ने प्रतिभाग कर अधूरे तालाब को पूर्ण कराये जाने की आख्या प्रस्तुत की। लोकपाल समाज शेखर ने सख्त हिदायत देते हुए चेतावनी दी की आगे कोई भी कार्य में लापरवाही न हो। नियमानुसार मनरेगा मजदूरों की सहभागिता से कार्यो को गुणवत्ता पूर्ण कराया जाए। बिहार ब्लाक के ओम प्रकाश शुक्ल ने ग्राम के बाहर व गाँव के फर्जी व अपात्र जाब कार्ड धारको की सूची लोकपाल के समक्ष प्रस्तुत कर बेरिफिकेशन की मांग करते हुए फर्जी जाब कार्ड धारको का नाम सक्रिय मजदूरों की सूची से अलग कर कार्यवाही की मांग की। जिस पर लोकपाल ने एक सप्ताह के भीतर बीडीओ द्वारा जांच कराके समस्या का समाधान कराने का निर्णय लिया। सांगीपुर ब्लाक के भैरवन ग्राम की शिकायत को बीडीओ के द्वारा शिकायत कर्ता की उपस्थित में जांच कराने का निर्णय लिया। यदि एक सप्ताह के भीतर बीडीओ द्वारा उक्त जांच व कार्यवाही नही होती तब स्वयम लोकपाल मनरेगा चौपाल लगाकर समाधान का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर जिला अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी विनोद सिंह व सामाजिक कार्यकर्ता दुर्गेश तिवारी ने सहयोग किया।

उपचुनाव: फूलपुर सीट पर चिराग पासवान करेंगे 'खेला'

एनडीए बनाम इंडिया की जंग में समाजवादी पार्टी को मिल सकता फायदा,बीजेपी की बढ़ सकती टेंशन

लखनऊ, एजेंसी। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए नामांकन शुरू होने के साथ ही काउंटडाउन शुरू हो गया है। वीवीआईपी सीटों में शुमार फूलपुर विधानसभा सीट पर एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच कड़े मुकाबले के आसार हैं। एनडीए की सहयोगी चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी ने भी इस सीट से प्रत्याशी उतारने की घोषणा की है। बीजेपी के लिए टेंशन स्वाभाविक है। इसका फायदा समाजवादी पार्टी को हो सकता है। इस सीट पर एनडीए केंद्र और प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाने को तैयार है तो विपक्षी इंडिया गठबंधन केंद्र व प्रदेश सरकार की विफलताओं के साथ ही पीडीए को बड़ा मुद्दा मान रही है। इस सीट पर इंडिया गठबंधन की ओर से समाजवादी पार्टी ने मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी को प्रत्याशी बनाया है। सपा प्रत्याशी को 2022 के विधानसभा चुनाव में महज 2723 वोटों के अंतर से भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल ने हराया था,लेकिन 2024 में लोकसभा चुनाव में फूलपुर विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या को लगभग 18 हजार की लीड मिली थी, जिसको लेकर समाजवादी पार्टी के हौसले बुलंद है।इस सीट के 4 लाख 07 हजार 366 मतदाता अपना विधायक चुनेंगे।इसमें 2 लाख 23 हजार 560 पुरुष और एक लाख 83 हजार 748 महिला मतदाताओं के साथ ही थर्ड जेंडर के 58 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस सीट पर ओबीसी मतदाता निर्णायक भूमिका में है।खास तौर पर पटेल मतदाता जीत हार तय कर सकते हैं।इस सीट पर मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण भी बीजेपी की मुश्किलें बढ़ा सकता है।फूलपुर विधानसभा सीट पर अब तक तीन दलों के प्रत्याशियों की घोषणा भी हो चुकी है। बसपा ने इस सीट पर 16 अगस्त को शिवबरन पासी को प्रत्याशी घोषित किया।इसके बाद समाजवादी पार्टी ने 9 अक्टूबर को तीन बार के पूर्व विधायक मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी को उम्मीदवार बनाया है।मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी 2022 के विधानसभा चुनाव के पहले बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे।उन्होंने भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल को कड़ी टक्कर दी थी। उन्हें महज 2723 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। एक बार फिर से सपा मुखिया अखिलेश यादव ने उन पर दांव लगाया है।इस सीट पर चंद्रशेखर आजाद रावण की आजाद समाज पार्टी ने भी मुस्लिम प्रत्याशी शाहिद अख्तर खान को चुनाव मैदान में उतारा है।

संक्षिप्त

श्रीराम औद्योगिक अनाथालय से भागीं 9 लड़कियां, 2 को पुलिस ने किया बरामद

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के अलीगंज स्थित श्रीराम औद्योगिक अनाथालय से शुक्रवार सुबह 9 किशोरियां बाथरूम की खिड़की काटकर भाग निकलीं। सूचना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से दो किशोरियों को बरामद किया जबकि सात का पता नहीं चल सका है। पुलिस की टीमें उनकी तलाश में लगी हैं। इस संबंध में अलीगंज थाने में केस भी दर्ज किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए एसीपी अलीगंज व्रज नारायण सिंह ने बताया कि अलीगंज के सेक्टर आई गोयल चौकी के पास श्रीराम औद्योगिक अनाथालय है। शुक्रवार सुबह अनाथालय में रहने वाली 9 लड़कियां बाथरूम में लगी खिड़की काटकर भाग निकलीं। जिसकी सूचना अनाथालय प्रशासन की तरफ से पुलिस को दी गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे चेक किया और फुटेज की मदद से दो किशोरियों को पुरनिया पुल के पास से सकुशल बरामद किया। वहीं, सात किशोरियों का पता नहीं चल सका है जिनकी तलाश चल रही है। वहीं लड़कियों के भागने के संबंध में अनाथालय प्रशासन की तरफ से अलीगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। इंस्पेक्टर अलीगंज ने बताया कि भागी हुई सभी लड़कियां अलग–अलग मुकदमों में आरोपित हैं।

सपा कार्यालय के बाहर महिला ने की जान देने की कोशिश, खाया जहरीला पदार्थ

लखनऊ, एजेंसी। गौतम पल्ली थाना क्षेत्र के अंतर्गत कानपुर से आई महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को गाड़ी में बैठाकर उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। यह महिला कानपुर की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार कानपुर के कल्याणपुर थाने में महिला ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। कार्रवाई न होने के कारण लखनऊ शिकायत करने मुख्यमंत्री आवास जा रही। जहां गौतमपल्ली थाना क्षेत्र के विक्रमादित्य मार्ग पर जहरीला पदार्थ खा लिया। महिला को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हालत स्थिर बताई जा रही है। कानपुर के कल्याणपुर थाने में 26 वर्षीय महिला ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। विवेचना के क्रम में अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह जमानत पर है। इस मामले की चार्जशीट एक वर्ष पूर्व कल्याणपुर, कानपुर नगर से दाखिल की गई थी और मामला माननीय न्यायालय में विचाराधीन है। कानपुर नगर पुलिस को इस घटना की सूचना दी जा चुकी है और अग्रिम कार्रवाई जारी है।

बहराइच हिंसा को लेकर योगी पर भड़के डी. राजा, कहा, यूपी में बढ़ रहा अपराध

लखनऊ, एजेंसी। सीपीआई महासचिव डी. राजा ने शुक्रवार को बहराइच हिंसा को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला करते हुए कहा कि कहा, बहराइच में जो कुछ हुआ वह यह दर्शाता है कि योगी आदित्यनाथ द्वारा शासित उत्तर प्रदेश राज्य में कानून और व्यवस्था कितनी बदतर है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध बढ़ रहे हैं। इस पर ध्यान देना की जरूरत है। कई धार्मिक कार्यों और त्योहारों के नाम पर या बाबाओं के नाम पर उत्तर प्रदेश में जो कुछ हो रहा है, वह पूरे देश में ज्ञात है। बता दें बीते रविवार को दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान एक पूजा स्थल के बाहर तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर जिले की महसी तहसील के महाराजगंज में हिंसा भड़क उठी थी। पुलिस के अनुसार हिंसा में गोली लगने से 22 वर्षीय राम गोपाल मिश्रा की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तोड़फोड़ और आगजनी शुरू हो गई और गुस्साई भीड़ ने कई घरों, दुकानों, शोरूम, अस्पतालों और वाहनों को आग लगा दी।

चोरी की प्लानिंग करते 3 पकड़े, रेकी के लिए उड़ा रहे थे ड्रोन

लखनऊ, एजेंसी। मोहनलालगंज क्षेत्र में गुरुवार रात पुलिस ने चोरी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने वाले चोर गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा। आरोपी ड्रोन का इस्तेमाल चोरी से पहले रेकी के लिए करते थे। पिछले कुछ समय से रात में ड्रोन उड़ने की खबरें लगातार सुर्खियों में थीं, जिससे स्थानीय लोग परेशान थे। पुलिस ने भी कई बार इस मामले की जांच की थी। बताया गया कि मोहनलालगंज के गोसाईगंज कस्बे के शुभा गांव में कल रात एक घटना घटी। गांव में चोरों का एक गिरोह ड्रोन की मदद से रेकी कर रहा था। यह ड्रोन गांव के ऊपर रात के अंधेरे में उड़ाया जा रहा था। लोगों ने ड्रोन को देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया। वहीं चोरों की तलाश शुरू की। गांव के पास एक झाड़ी में कुछ संदिग्ध गतिविधियां दिखीं, जिसके बाद ग्रामीणों ने वहां जाकर चोरों को पकड़ लिया। इस बीच पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों ने चोरों की जमकर धुनाई की और पुलिस का सौंप दिया। आरोपियों ने पूछताछ में अपना नाम महेश कुमार और उमेश बताया। पुलिस ने एक अन्य संदिग्ध युवक को पकड़ा। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांववासियों की सतर्कता और तत्परता की वजह से चोरों को पकड़ने में कामयाबी मिली। ग्रामीणों ने बताया कि ड्रोन की उड़ान रेंज 400–500 मीटर होती है, जिससे यह अनुमान लगाया गया कि ड्रोन चलाने वाले लोग पास में ही छिपे हो सकते हैं। इसके बाद खोजबीन शुरू की गई और चोरों को पकड़ा गया।

जीआईएस कैंप में आए 97 मामले, 475 रुपए का बिल बढ़ाकर 3240 रुपए कर दिया था

लखनऊ, एजेंसी। जीआईएस सर्वे में गड़बड़ हुए हाउस टैक्स को सही करने के लिए 97 लोग शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान 7 गुना तक लोगों का बिल कम हुआ। मौके पर अलग दृ अलग जोन को मिलाकर 95 मामलों का निस्तारण हुआ। इस दौरान सबसे ज्यादा 22 मामले जोन एक से आए। जबकि सबसे कम 5 मामले जोन 8 आए। इस दौरान जोन एक में आई शबाना का बिल 475 रुपए से बढ़ाकर 3240 कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि 200 स्कवायर फीट का मकान है। उसका बिल 2000 स्कवायर फीट के मकान के बराबर कर दिया गया था। हालांकि टैक्स इंस्पेक्टर राजा ने उनका बिल कम कर दिया और वह बिल दोबारा 475 रुपए हो गया। शबाना ने बताया कि उनके घर की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। इसके अलावा जोन एक के मुरली नगर से आए अजय अग्रवाल ने बताया कि उनका बिल 3000 से बढ़ाकर 4000 कर दिया गया है। उन्होंने इसकी शिकायत दर्ज कराई । इसके बाद फिर से बिल उनका पहले वाला ही हो गया।

सम्पादकीय.......

घाटी में महका लोकतंत्र

आखिरकार तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू–कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। बुधवार को उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनकी सार्थक पहल यह रही कि उन्होंने जम्मू–कश्मीर की राजनीति के दो ध्रुव बने कश्मीर घाटी व जम्मू क्षेत्र के जनमानस को साथ लेकर चलने का संकल्प दोहराया है। इस कड़ी में उमर अब्दुल्ला ने सुरिंदर चौधरी को राज्य का उप मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। उमर ने कहा भी कि 'चौधरी को मैंने इसलिए उप मुख्यमंत्री बनाया, ताकि जम्मू के लोगों को महसूस हो सके कि उनकी भी राज्य की सत्ता में घाटी जितनी भागीदारी है। आगे भी ऐसे ही प्रयास होते रहेंगे।' निस्संदेह, यह सकारात्मक राजनीति का उज्ज्वल पक्ष है, सबको साथ लेकर आगे बढ़ने का। उल्लेखनीय है कि सुरिंदर चौधरी जम्मू से चुनकर आए हैं। नौशेरा से विधायक बने सुरिंदर चौधरी ने विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रांत अध्यक्ष रवींद्र रैना को हराया था। बहरहाल, भले ही अब अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद जम्मू–कश्मीर विधानसभा का स्वरूप पहले जैसा नहीं रह गया, लेकिन इसके बावजूद जम्मू–कश्मीर के लोगों ने स्पष्ट जनादेश देकर एक स्थिर सरकार की बुनियाद जरूर रखी है। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह नजर आया। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। यह दायित्व सरकार को इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर के मारे मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक प्रतिसाद दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून चाहते हैं। जम्मू–कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ–साथ कदमताल कर सके। बहरहाल, जम्मू–कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी क्योंकि राज्यपाल के पास व्यापक शक्तियां हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि नये मुख्यमंत्री को कानून व्यवस्था से लेकर अन्य प्रशासनिक मामलों में एलजी के आगे लाचार नहीं होना पड़ेगा।

मणिपुर में फिर चूकी भाजपा

डॉ. दीपक पाचपोर

भारत के कई राज्यों में अलगाववाद की आग पहले सुलग चुकी है, चाहे भाषा के नाम पर या धर्म के नाम पर। कई बार आंचलिक विशेषता के कारण पृथक राज्यों की मांगे भी उठीं। लेकिन दो समुदायों के बीच इतना गहरा संदेह कभी नहीं देखा गया जैसा मणिपुर में बन चुका है।

बीते 17 महीनों से मणिपुर में चल रहे भयावह जातीय संघर्ष को सुलझाने के लिए पहली बार दिल्ली में बैठक बुलाई गई। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निमंत्रण पर मणिपुर से मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे। इसमें भी मात्र 4 या 5 कुकी विधायक ही पहुंचे। पहले यह बैठक गृह मंत्रालय में होनी थी, लेकिन बाद में इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी के दफ्तर में यह बैठक हुई, ऐसी खबर है। बताया जा रहा है कि बैठक में आईबी के पूर्वोत्तर के संयुक्त निदेशक राजेश कांबले, पूर्वोत्तर में भाजपा के समन्वयक संबित पात्रा, केंद्र के सुरक्षा सलाहकार एके मिश्रा मौजूद थे। पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बात की गई। सभी ने अपनी–अपनी मांगें केंद्र के समक्ष रखीं। इसके बाद सभी को एक हॉल में एकत्रित कर संकल्प दिलाया गया कि आज की बैठक के बाद मणिपुर में न तो एक भी गोली चलेगी और न ही किसी व्यक्ति की जान जाएगी। तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति दी। इसके बाद प्रतिनिधियों ने एक–दूसरे से हाथ मिलाए। जो समुदाय पिछले 17 महीनों में परस्प खून के प्यासे हो गए हों, जिनके बीच अविश्वास की खाई इतनी बढ़ गई हो कि उनका एक–दूसरे के इलाकों में जाना वर्जित हो गया हो और अगर कोई गलती से सीमा को पार कर जाए तो फिर उसे सीधे मौत के घाट उतारा जाए, उन लोगों के बीच क्या एक–दूसरे से हाथ मिलाकर दोस्ती करवाई जा सकती है। इस बात से तो ऐसा ही प्रतीत होता है कि या तो मोदी सरकार ने मणिपुर के मामले को बच्चों का खेल समझा है, या फिर मणिपुर को अपने खेल का मैदान बनाकर एक प्रयोग कर लिया है। भारत के कई राज्यों में अलगाववाद की आग पहले सुलग चुकी है, चाहे भाषा के नाम पर या धर्म के नाम पर। कई बार आंचलिक विशेषता के कारण पृथक राज्यों की मांगे भी उठीं। लेकिन दो समुदायों के बीच इतना गहरा संदेह कभी नहीं देखा गया जैसा मणिपुर में बन चुका है। इसकी क्रूर परिणिति कई भयावह घटनाओं के तौर पर सामने आई है, दो महिलाओं की नग्नावस्था में परेड और उनके साथ अनाचार एक उदाहरण है, ऐसे मामले की निंदा अंतरराष्ट्रीय मंचों से भी हुई। फिर भी मोदी सरकार का दुस्साहस ही है कि वह दावा कर रही है कि बैठक के बाद हाथ मिलाकर सब ठीक करने का आश्वासन ले लिया गया है। श्रीमान मोदी का एक और दुस्साहस यह है कि अब तक मणिपुर तो वे नहीं गए, दिल्ली में हुई बैठक में शामिल होना भी उन्होंने जरूरी नहीं समझा। यहां तक कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। जबकि बैठक गृहमंत्रालय ने ही बुलाई थी। एक खबर में बताया गया कि श्री शाह इस बैठक की मिनट टू मिनट जानकारी ले रहे थे। जब इतनी ही फिक्र मणिपुर की थी और पल–पल की जानकारी लेने का वक्त था, तो दस–पंद्रह मिनट की उपस्थिति दर्ज कराने में क्या हर्ज था। क्या हरियाणा में विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी का निर्विरोध चुने जाने का मुद्दा मणिपुर के मुद्दे से अधिक गंभीर था। भाजपा को याद रखना चाहिए कि मणिपुर में भी भाजपा की ही सरकार है, उसकी भाषा में कहें तो डबल इंजन की सरकार है। फिर भी मणिपुर के लिए इतनी उपेक्षा का भाव क्यों रहा, यह एक अनसुलझा सवाल है। हालांकि इस बैठक के बाद यह सवाल भी उठ रहे हैं कि कहीं इसका असल मकसद राज्य में शांति बहाली से अधिक सत्ता को बचाए रखना तो नहीं है। क्योंकि बैठक में कुकी समुदाय के विधायकों ने सीधे सवाल किये कि जब सरकार एक समुदाय के साथ खड़ी है, तो दूसरे समुदायों को सुरक्षा और न्याय कैसे मिलेगा। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के खिलाफ अविश्वास इस बैठक में साफ–साफ नजर आया और फिर से उनकी बर्खास्तगी की मांग की गई। जबकि केंद्र की सत्ता एन बीरेन सिंह और उनकी सरकार को बचाने के लिए प्रयासरत दिख रही है। दरअसल मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास बहुमत के आंकड़े से एक ज्यादा 32 सीटें हैं और एनडीए के सहयोगी दलों को मिलाकर कुल 37 विधायक हैं। लेकिन भाजपा की टिकट पर जीते 7 कूकी विधायकों ने सरकार से खुद को अलग कर लिया है। इस तरह भाजपा अल्पमत की तरफ बढ़ चुकी है। इसके अलावा एनडीए में भी अब फूट पड़ रही है। भाजपा की सहयोगी कुकी पीपुल्स अलायंस के दोनों विधायकों ने बीरेन सिंह सरकार से पिछले अगस्त में ही समर्थन वापस ले लिया था। वहीं मणिपुर में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की बीते दिनों हुई राज्य कार्यकारिणी की बैठक में इसके 8 विधायकों में से कोई भी शामिल नहीं हुआ। मेघालय में तो एनपीपी के साथ भाजपा सत्ता में है, लेकिन मणिपुर में एनपीपी विधायक भाजपा से अलग होना चाहते हैं। ऐसे में भाजपा के पास जदयू के 6 विधायकों, नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के 5 और निर्दलीय 3 विधायक ही बचते हैं। इसमें भी एनपीएफ को लेकर संशय दिख रहा है, क्योंकि दिल्ली बैठक में इसके 3 ही विधायक पहुंचे। तो कुल जमा मणिपुर में भाजपा की सरकार अल्पमत में जाती हुई दिख रही है। दिल्ली की बैठक के जरिए इस अल्पमत को बहुमत में बदलने का रास्ता शायद तलाशा जा रहा था। क्योंकि मणिपुर की फिक्र वाकई होती तो फिर प्रधानमंत्री कम से कम बैठक में आने की जहमत तो उठा ही लेते। आखिर 140 करोड़ लोगों के उनके परिवार में मणिपुर की जनता भी शुमार होती है।

सत्ता का इकबाल कायम करें मोदी

सर्वमित्रा सुरजन

नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए इस समय आंतरिक और विदेश मामलों में कठिन परीक्षा की घड़ी चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी से अपेक्षा है कि चुनाव में जीत–हार की फिक्र से ऊपर उठकर इस समय वे गंभीरता से हालात का मुआयना करें, विशेषज्ञों की राय लेकर फैसले करें और देश को आश्वस्त करें कि हर हाल में जनता के हितों की रक्षा होगी। मुंबई में दशहरे के दिन भीड़ भरे इलाके में अजित पवार गुट एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। इस हत्या की जिम्मेदारी गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने ली। कायदे से गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों, गृहमंत्रियों के साथ–साथ केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी कि उनकी निगरानी में जेल से एक बड़े अपराध को अंजाम दिया गया। लेकिन फिलहाल इस मामले में आरोपियों की कितनी जल्दी धर–पकड़ हो गई है इसी बात का श्रेय लूटा जा रहा है। मुमकिन है 20 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले इस मामले में कुछ लोगों को अपराधी साबित करने के सरकार की सख्ती का दावा भी ठोंका जाए। लेकिन क्या लारेंस बिश्नोई का सच सामने आ पाएगा, ये सवाल कानूनी उलझनों में फंसा हुआ है। बता दें कि लारेंस बिश्नोई को गुजरात की साबरमती जेल में रखा गया है, जो हाईप्रोफाइल मुजरिमों के लिए बनी है। इसमें किसी आरोपी से पूछताछ के लिए सख्त नियम बने हैं। लारेंस बिश्नोई पर सीआरपीसी की धारा 268 के तहत, अगस्त 2023 तक के लिए जेल से बाहर निकलने पर रोक लगी हुई थी। अब नये आदेश के मुताबिक, बीएनएसएस की धारा 303 के तहत यह पाबंदी अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई है। अगर कोई भी पुलिस टीम, अधिकारी या एजेंसी लॉरेंस बिश्नोई से किसी मामले में पूछताछ करना चाहती है, तो उन्हें एक न्यायिक आदेश लेकर आना होगा। साथ ही उसके खिलाफ चल रही किसी भी जांच को जेल परिसर के भीतर ही अंजाम दिया जाएगा। वैसे साबरमती जेल प्रशासन का कहना है कि लारेंस बिश्नोई जेल के भीतर से कोई गिरोह नहीं चला रहा है, उसके पास कोई मोबाइल फोन या ऐसा जरिया नहीं है, जिससे वो बाहरी दुनिया से संपर्क रख सके। मगर सिद्दीकी हत्याकांड की शुरुआती जांच में अगर लारेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया तो इसे क्या केवल साबरमती जेल प्रशासन के बयान के आधार पर नजरंदाज किया जा सकता है, यह विचारणीय है। यह तय है कि लारेंस बिश्नोई को अब पूछताछ के लिए गुजरात से बाहर नहीं लाया जाए, इसका कानूनी इंतजाम कर लिया गया है। लेकिन इसी साबरमती जेल में यूपी का माफिया डॉन अतीक अहमद भी 2019 से बंद था और पिछले साल मार्च में उसे गुजरात से यूपी शिफ्ट किया गया, इसके बाद अप्रैल में किस तरह उसे और उसके भाई को पुलिस सुरक्षा के बीच ही मार दिया गया, यह दृश्य पूरे देश ने देखा है। इस तरह की घटनाओं पर कुछ तालियां बज सकती हैं कि एक माफिया को मिट्टी में मिलाने की हिम्मत सरकार ने दिखाई, लेकिन वहीं सवाल भी उठते हैं कि जब अतीक अहमद को बाहर लाया जा सकता है तो लारेंस बिश्नोई से गुजरात के बाहर पूछताछ क्यों नहीं की जा सकती। बाबा सिद्दीकी की हत्या की घटना को केवल पैसों के लिए किए गए अपराध की तरह नहीं देखा जा सकता, क्योंकि लारेंस बिश्नोई सीधे–सीधे लोकतांत्रिक सरकार की सत्ता को चुनौती दे रहा है, ठीक वैसे ही जैसे एक वक्त में दाऊद इब्राहिम का रवैया था। दाऊद इब्राहिम तो भारत के प्रमुख वांछित अपराधियों में शामिल है, वह आतंकवादी है। लेकिन लारेंस बिश्नोई को आतंकवादी कहने की जगह भारत के कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर उसका महिमामंडन हो रहा है। उसे बॉलीवुड के लोगों, खालिस्तानियों, हिंदुत्व का विरोध करने वालों के लिए काल की तरह बताया जा रहा है। उसकी तस्वीर इस अंदाज में पोस्ट की जा रही हैं, मानो उसने बड़ी जांबाजी का काम किया है। एक अपराधी को नायक बनाने की यह भूल समाज को विनाश की तरफ ले जाने वाली है, क्योंकि इस तरह युवाओं को भटकाना और आसान हो जाता है। वैसे ही इस समय हमारे युवाओं का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। रोजगार और अच्छी शिक्षा की तलाश में हर बरस लाखों युवा विदेश जा रहे हैं और इनमें बड़ी संख्या कनाडा जाने वालों की है। लेकिन इस वक्त कनाडा और भारत के संबंध सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। 14 अक्टूबर को दोनों देशों ने एक–दूसरे के छह–छह राजनयिकों को निष्कासित किया है। दरअसल पिछले वर्ष कनाडाई नागरिक और सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा ने इसमें भारत की भूमिका पर सार्वजनिक तौर पर सवाल उठाए थे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में इस बारे में बयान दिया था। तब भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था और साथ ही कनाडा को भारत–विरोधी शक्तियों को शरण न देने की सलाह दी थी। लेकिन भारत की सलाह का कोई असर कनाडा पर नहीं हुआ और अभी जस्टिन ट्रूडो ने फिर कह दिया कि भारत सरकार के अधिकारी पिछले जून में सरे में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल थे। इसके बाद कनाडाई प्रशासन ने एक प्रेस कांफ्रेंस में यह कहा कि भारत की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का गिरोह या उसके एजेंट कनाडा में इस हत्या के पीछे हैं। इस तरह कनाडा ने सीधे–सीधे भारत सरकार पर एक गैंगस्टर के साथ मिलकर काम करने का गंभीर आरोप लगाया। यह वैश्विक स्तर पर भारत का अपमान है। वहीं अमेरिका में भी अब भारत के खिलाफ इसी तरह की बातें हो रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अगस्त में कनाडा के दौरे पर कहा था कि अमेरिका कनाडा के साथ हर स्तर पर सहयोग कर रहा है ताकि निज्जर हत्याकांड मामले की तह तक पहुंचा जा सके। उन्होंने निज्जर की हत्या को एक त्रासदी बताया था। वहीं इस मंगलवार को अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि जब कनाडाई मामले की बात आती है, तो हमने स्पष्ट कर दिया है कि आरोप बेहद गंभीर हैं और उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। हम चाहते थे कि भारत सरकार कनाडा को उसकी जांच में सहयोग दे। उन्होंने (भारत) वह रास्ता नहीं चुना है। अमेरिका का यह रवैया बता रहा है कि फिलहाल वह भारत की अपेक्षा कनाडा की दोस्ती को तवज्जो दे रहा है। इन हालात में अब नरेन्द्र मोदी को सोचना है कि वे अमेरिकी धरती पर मोदी–मोदी के नारे सुनकर गदगद होते रहें, ओबामा से लेकर ट्रंप और बाइडेन तक सबको अपना करीबी मित्र बताते रहें या फिर भारत के हितों के बारे में सोचकर कोई कड़ी टिप्पणी इन मामलों पर करें। बेशक भारत का विदेश मंत्रालय अपनी तरफ से सख्ती दिखाने की पूरी कोशिश कर रहा है। उसके प्रवक्ता भारत पर लग रहे आरोपों पर कड़ा जवाब दे रहे हैं। लेकिन ये वक्त पं. नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी की तरह पश्चिमी ताकतों, खासकर अमेरिका को जवाब देने का है। अगर कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों से प्रेरणा लेने में श्री मोदी को असुविधा हो तो पोरस की मिसाल भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है। 340 ईसा पूर्व से 315 ईसा पूर्व तक झेलम से लेकर चिनाब तक फैले पंजाब–सिंध प्रांत में पोरस का साम्राज्य फैला था और विश्वविजय पर निकले सिकंदर के अभियान को पोरस की कड़ी चुनौती मिली थी। ऐतिहासिक कथा के मुताबिक दोनों के बीच हुए युद्ध के बाद जब पोरस को बंदी बनाकर सिकंदर के सामने पेश किया गया, तब पोरस ने सिकंदर से कहा था कि उनके साथ वही सलूक करना चाहिए जो एक राजा, दूसरे राजा के साथ करता है।

क्रियान्वयन के 19 वर्षों के बाद आरटीआई अधिनियम के रिकॉर्ड पर एक नजर

शैलेश गांधी

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम ने 12 अक्टूबर, 2024 को 19 वर्ष पूरे कर लिये। जब इसे पहली बार लागू किया गया था, तो इसने नागरिकों में बहुत उत्साह पैदा किया था, जिन्होंने अपनी सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की संभावना देखी थी। हम भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं, लेकिन इसका आम नागरिकों के लिए कल्याण और सुशासन में परिवर्तन अभी तक नहीं हुआ है। लोकतंत्र को श्लोगों द्वारा लोगों के लिए लोगों का शासनश के रूप में परिभाषित किया जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि जब कोई आम नागरिक किसी सरकारी कार्यालय में जाता है, तो वह अक्सर आहत, अपमानित और निराश महसूस करता है। पहली बार, हमारे पास ऐसा कानून था जो व्यक्तिगत नागरिक की संप्रभुता को मान्यता देता था और नागरिक की सरकार और सभी लोक सेवकों पर सर्वोच्चता को भी स्वीकार करता था। इसने इस तथ्य को भी मान्यता दी कि सरकार के पास नागरिकों की ओर से सभी जानकारी होती है। सशक्त नागरिक अपनी शिकायतों के निवारण और भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए आरटीआई का इस्तेमाल करते थे। आरटीआई अधिनियम में ऐसी सूचनाओं की सूची नहीं है, जिन्हें नागरिक प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि इसमें ऐसी सूचनाओं की एक छोटी नकारात्मक सूची है, जिन्हें नागरिक को देने से मना किया जा सकता है। बाकी सभी सूचनाओं को नागरिकों के साथ साझा किया जाना था। यह दुनिया के सबसे बेहतरीन पारदर्शिता कानूनों में से एक था, लेकिन यह वायदा किये गये परिणाम और बेहतर शासन नहीं दे रहा है, क्योंकि विभिन्न उपाय और उन्हें लागू करने वाले अनेक अधिकारी कानून का पालन नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसे विकृत कर रहे हैं। यह अधिनियम मानता है कि सभी मौजूदा सूचनाएं किसी नागरिक को मांगे जाने पर दी जानी चाहिए और अगर कोई लोक सेवक बिना उचित कारण के 30 दिनों के भीतर सूचना देने से मना करता है, तो उस पर व्यक्तिगत जुर्माना लगाया जा सकता है। असंतुष्ट नागरिकों के लिए, यह विभाग के भीतर एक वरिष्ठ अधिकारी के पास अपील करने का प्रावधान करता है और यदि यह संतोषजनक नहीं है, तो कानून सूचना आयोग के रूप में एक दूसरा अपीलीय प्राधिकरण बनाता है। इसने आयोगों को अपने आदेशों को लागू करवाने के लिए पर्याप्त अधिकार दिये। सूचना आयुक्तों का चयन प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और केंद्रीय आयोग के लिए एक अन्य मंत्री और राज्य आयोगों के लिए मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और एक अन्य मंत्री वाली समिति द्वारा किया जाना था। यह आरटीआई अधिनियम की कमजोर कड़ी बन गयी। आयुक्तों का चयन बिना किसी पारदर्शी प्रक्रिया के किया गया और, ज्यादातर मामलों में, पद ऐसे लोगों को दिये गये जो नौकरशाही और राजनीतिक नेटवर्क में काम कर सकते थे। नतीजतन, बड़ी संख्या में ऐसे आयुक्तों का चयन किया गया, जिन्हें न तो पारदर्शिता के प्रति कोई झुकाव था और न ही इसके प्रति कोई प्रेम। उनमें से कई ने इन पदों को सेवानिवृत्ति के बाद की नौकरी या सेवा में रहते हुए किए गये उपकारों के पुरस्कार के रूप में देखा। वे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) से उत्पन्न होने वाले मौलिक अधिकार के रूप में सूचना के अधिकार के महत्व को नहीं पहचानते या समझते थे। कानून में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि सूचना मांगने के लिए कोई कारण बताने की आवश्यकता नहीं है। आयुक्तों और न्यायालयों ने आवेदकों से यह पूछना शुरू कर दिया कि वे सूचना क्यों चाहते हैं। यदि उत्तर उन्हें संतुष्ट नहीं करता, तो वे आवेदकों को सूचना देने से इनकार कर देते हैं। यह इस तथ्य से और भी बढ़ गया है कि देश में कई आयुक्त किसी भी गंभीरता से काम नहीं करते हैं। उनमें से कई सप्ताह में 40 घंटे भी काम नहीं करते हैं। अधिकांश मामलों में मामलों का निपटारा बिल्कुल अस्वीकार्य है। कई आयुक्त एक महीने में 50 से 100 मामलों का निपटारा करते हैं। उन्हें प्रति माह लगभग 400 से 500 मामलों का निपटारा करना चाहिए, जैसा कि कुछ करते हैं। एक बेंचमार्क के रूप में, मैं उल्लेख कर सकता हूं कि भारतीय उच्च न्यायालयों में मामलों का औसत निपटान, जो अधिक जटिल हैं, प्रति माह 200 मामलों से अधिक है। सूचना आयोगों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है और आयोगों में आरटीआई मामलों में छह महीने से चार साल तक की देरी हो रही है। नागरिकों की कानून को लागू करने में रुचि कम हो रही है और लोक सेवक कानून में उल्लिखित अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने लगे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि नागरिकों का कानून में विश्वास खत्म हो रहा है। आरटीआई को एक और बड़ा झटका आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(जे) की घोर गलत व्याख्या है। इस धारा का उद्देश्य ऐसी सूचना को छूट देना था जो किसी व्यक्ति की निजता पर आक्रमण करती हो। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि निजता को परिभाषित करना कठिन हो सकता है, भारतीय संसद ने इस धारा को सावधानीपूर्वक और कुशलता से तैयार किया था। यह धारा श्ऐसी सूचना को छूट देती है जो व्यक्तिगत सूचना से संबंधित है, जिसके प्रकटीकरण का किसी सार्वजनिक गतिविधि या हित से कोई संबंध नहीं है, या जो व्यक्ति की निजता पर अनुचित आक्रमण करेगी जब तक कि केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी या राज्य लोक सूचना अधिकारी या अपीलीय प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, संतुष्ट न हो कि व्यापक सार्वजनिक हित ऐसी सूचना के प्रकटीकरण को उचित ठहराता है। बशर्ते कि वह सूचना, जिसे संसद या राज्य विधानमंडल को देने से इनकार नहीं किया जा सकता है, किसी भी व्यक्ति को देने से इनकार नहीं किया जायेगा। आम तौर पर,सार्वजनिक अभिलेखों में अधिकांश जानकारी सार्वजनिक गतिविधि से उत्पन्न होती है। जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) को यह तय करना होता है कि क्या यह निजता का उल्लंघन है। निजता का संबंध घर के भीतर के मामलों, व्यक्ति के शरीर, यौन वरीयताओं आदि से है। यह संविधान के अनुच्छेद 19(2) के अनुरूप है। फिर पीआईओ को अपना व्यक्तिपरक निष्कर्ष दर्ज करना चाहिए कि वह संसद या राज्य विधानसभा को मांगी गयी जानकारी नहीं देगा। दुर्भाग्य से कई लोक सेवक, आयुक्त और अदालतें केवल यह कहकर सूचना देने से इनकार कर देती हैं कि यह व्यक्तिगत जानकारी है। यह कानून या संविधान के अनुरूप नहीं है। यह अनुच्छेद 19 (1)(ए) के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकारों के लिए एक बड़ा नुकसान हो सकता है। नागरिकों और मीडिया को सूचना के अपने अधिकार की रक्षा करनी चाहिए, ऐसा न करने पर आरटीआई अधिनियम सूचना देने से इनकार करने के अधिकार में बदल जायेगा।

विद्या बालन ने बिग बी के साथ कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर किया डांस

> केबीसी के निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर शो की एक क्लिप शेयर की। इसमें विद्या बालन और बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन हॉटसीट पर नजर आ रहे हैं। क्लिप की शुरुआत में बिग बी विद्या के साथ नजर आ रहे हैं। वे सत्ते पे सत्ता के गाने दिलबर मेरे गाते नजर आ रहे हैं। विद्या और बिग बी दोनों ही ब्लैक कलर के आउटफिट में दिखाई दे रहे हैं।

हाल ही में सुपरहिट फिल्म कल्कि 2898 एडी में दिखाई दिए बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने क्विज आधारित रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 के सेट पर अभिनेत्री विद्या बालन के साथ डांस किया। केबीसी के निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर शो की एक क्लिप शेयर की। इसमें विद्या बालन और बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन हॉटसीट पर नजर आ रहे हैं। क्लिप की शुरुआत में बिग बी विद्या के साथ नजर आ रहे हैं। वे सत्ते पे सत्ता के गाने दिलबर मेरे गाते नजर आ रहे हैं। विद्या और बिग बी दोनों ही ब्लैक कलर के आउटफिट में दिखाई दे रहे हैं। जहां विद्या ने ग्रे जियोमेट्रिक पैटर्न वाली काली साड़ी पहनी, वहीं बिग बी काले रंग के सूट में दिखाई दे रहे हैं।बता दें कि इन दिनों कार्तिक और विद्या अपनी आने वाली फिल्म भूल भुलैया 3 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और माधुरी दीक्षित भी हैं। जहां कार्तिक और विद्या फिल्म का प्रचार कर रहे हैं, वहीं तृप्ति डिमरी ने फिल्म की प्रमोशन से दूरी बना ली है। भूल भुलैया 3 दिवाली पर रिलीज होगी और रोहित शेट्टी निर्देशित मल्टी-स्टारर सिंघम अगेन से भिड़ेगी। बुधवार को भूल भुलैया 3 का टाइटल ट्रैक भी रिलीज किया गया। इसमें पंजाबी तड़के के साथ मशहूर धुन का मिश्रण है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रैपर पिटबुल और पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ भी हैं। भूल भुलैया 3 हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी भूल भुलैया का अगला पार्ट है। भूल भुलैया में बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अभिनय किया था। यह फिल्म मलयालम सुपरस्टार फहाद फाजिल के पिता फाजिल निर्देशित मलयालम फिल्म मणिचित्राथु की हिंदी रीमेक है। कार्तिक ने भूल भुलैया 2 में अक्षय की जगह ली और रूह बाबा के किरदार में उतर गए। भूल भुलैया 2 की बात करें तो इसमें कार्तिक ने कियारा आडवाणी के साथ ऑन-स्क्रीन रोमांस किया था। वहीं, इसके तीसरे पार्ट में वह एनिमल स्टार तृप्ति डिमरी के साथ अभिनय करते नजर आएंगे। फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी हैं। भूल भुलैया 3 का निर्माण टी-सीरीज फिल्म्स और सिने1 स्टूडियोज ने किया है।

मुंबई में एक इवेंट के लिए पहुंची अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा

इन दिनों वैश्विक स्ट्रीमिंग सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन की शूटिंग में व्यस्त अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस मुंबई में एक इवेंट के लिए पहुंची। अभिनेत्री को सफेद कार्गो, सफेद टी-शर्ट और ग्रे बेसबॉल कैप पहने देखा गया। अभिनेत्री छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट मुंबई के टर्मिनल 2 पर पपराजी को हाथ हिलाकर अभिवादन करते नजर आई। एक सूत्र ने बताया कि अभिनेत्री एक ब्रांड एंगेजमेंट के लिए मुंबई में हैं। यह भी पता चला है कि अभिनेत्री इस महीने शहर में होने वाले फेस्टिवल की अध्यक्ष होने के बावजूद मामी फिल्म फेस्टिवल में शामिल नहीं होंगी। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ अपना रूटीन शेयर किया था। इसके साथ ही उन्होंने कई सारी तस्वीरें शेयर की थी। तस्वीरों में उन्हें सिटाडेल की शूटिंग में व्यस्त दिखाया गया था, उनकी बेटी शो के सेट पर उनसे मिलने आई थी, अभिनेत्री ने अपनी बेटी के साथ खेल रही थी। पिक्स और शॉट्स ज्यादातर सिटाडेल के लोकेशन से हैं। प्रियंका ने बताया है कि इस बार कैसे उनका किरदार नादिया कुछ अलग होगा। प्रियंका ने 1 से लेकर 15 तक तस्वीरें और छोटे वीडियो शेयर किए हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने अपने बचपन की तस्वीर और अपने करियर के शुरुआती दौर की एक तस्वीर का एक थ्रोबैक कोलाज साझा किया था।

बिपाशा बसु ने शेयर की मां की खिलखिलाती तस्वीर, खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

फिल्म इंडस्ट्री की ग्लैमरस अभिनेत्री बिपाशा बसु ने सोशल मीडिया पर खास अंदाज में अपनी मां को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। मां के साथ खूबसूरत तस्वीरों के साथ उन्होंने भावनात्मक कैप्शन भी दिया है। इंस्टाग्राम पर बिपाशा ने कई तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह मिलियन-वॉट की स्माइल..., मां, आप बहुत सुंदर और बच्ची जैसी हैं। देवी के शब्दों में, हैप्पी बर्थडे यंग लेडी। किसी भी हीरे से ज्यादा चमकती रहो, मां। हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं।

बिपाशा ने अपनी इंस्टा स्टोरीज पर एक वीडियो भी शेयर किया है जिसमें उनकी मां नातिन देवी के साथ जन्मदिन का जश्न मना रही हैं। इसमें वह प्यारा सा डांस करती, और उसे चूमती और बात करती नजर आ रही हैं। यह वीडियो बिपाशा की बेटी देवी और नानी के बीच के गहरे रिश्ते को दिखाता है। बिपाशा का जन्म 1979 में हुआ था। उनका पालन-पोषण कोलकाता में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक फैशन मॉडल के रूप में की। उन्होंने 2001 में अजनबी से एक्टिंग के क्षेत्र में कदम रखा, जिसके लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसके बाद उनकी अगली हॉरर फिल्म राज आई, जिसे लेकर उनकी जमकर तारीफ की गई। बिपाशा ने कई पुरस्कार जीते, जिनमें स्टाइल डीवा ऑफ द ईयर के लिए आईफा अवार्ड, आईफा फ्रेश फेस ऑफ द ईयर अवार्ड, जीआईएफए का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ खलनायक के लिए बॉलीवुड मूवी अवार्ड, डायनेमिक डुओ के लिए जी सिने अवार्ड और कई अन्य शामिल हैं। फिल्मों में अपने सफल करियर के बाद उन्होंने 2015 में एक हॉरर फिक्शन टीवी सीरीज डर सबको लगता है की मेजबानी की। साल 2023 में उन्होंने बताया कि वह शानदार अभिनय कार्य की तलाश में हैं। हालांकि, उनके नए प्रोजेक्ट की कोई घोषणा नहीं हुई है। साल 2016 में बिपाशा ने अभिनेता करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी और 2022 में उनकी बेटी 'देवी' परिवार में आई।

निकिता पोरवाल के सिर सजा फेमिना मिस इंडिया 2024 का ताज, कभी रामलीला में बनती थी सीता

फेमिना मिस इंडिया 2024 का ताज मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल के सिर सज गया है। अब निकिता पोरवाल मिस वर्ल्ड में भारत का रिप्रेजेंट करेंगी। जानकारी के अनुसार, ये इवेंट बुधवार यानी 16 अक्टूबर की रात मुंबई के वर्ली में फेमस स्टूडियो में आयोजित किया गया था। निकिता पोरवाल को ताज फेमिना मिस इंडिया 2023 की विनर रह चुकी नंदिनी गुप्ता ने पहनाया। इसके साथ ही नेहा धूपिया ने उन्हें मिस इंडिया सैश पहनाया। रिपोर्ट्स के अनुसार, निकिता पोरवाल एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय की बहुत बड़ी फैन हैं। संजय लीला भंसाली की फिल्म में काम करने का सपना देखती हैं। निकिता के पिता अशोक पोरवाल ने बताया कि फेमिना मिस इंडिया 2023 में 30 राज्यों के विनर ने पार्टिसिपेट किया। निकिता ने कई सारे नेशनल और इंटरनेशनल स्टेजेज पर ड्रामा प्ले भी किया है। निकिता होस्टिंग के अलावा फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उनकी अपकमिंग प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में है, जिसका ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, फिल्म का टाइटिल चंबल पार है। बता दें निकिता पोरवाल मध्यप्रदेश के उज्जैन की निवासी हैं और वह एक प्रसिद्ध पेट्रो-केमिकल व्यवसायी अशोक पोरवाल की बेटी हैं। निकिता ने अपनी शिक्षा बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स में पूरी की है, जहां उनका विशेष ध्यान ड्रामा पर रहा। उन्हें पढ़ना, लिखना, पेंटिंग करना और फिल्में देखना पसंद है। उन्होंने महज 18 साल की उम्र में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस उम्र में ही वह एक टीवी शो की होस्ट बनीं। साल 2022 की श्री रामलीला में उन्होंने मां सीता का किरदार निभाया था। वो 60 प्ले में परफॉर्म कर चुकी हैं। इसके अलावा निकिता ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए ड्रामा भी लिखा है, जिसमें 250 पन्नों की कृष्ण लीला शामिल है।

हिना खान

को पसंद आई स्वादिष्ट डिश शतिरामिसूश, 'शेर खान' ने सोशल मीडिया पर व्यक्तकिया आभार

ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ रहीं अभिनेत्री हिना खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर अपने दोस्तों द्वारा बनाई गई स्वादिष्ट डिश तिरामिसू की झलकियां साझा की हैं। ये रिश्ता क्या कहलाता है की लीड एक्ट्रेस हिना सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं।इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी सेक्शन पर पोस्ट शेयर कर हिना ने अपने दोस्तों आकांक्षा और कुंजू को स्पेशल धन्यवाद देते हुए झलक दिखाई, जिसमें वह घर पर बने तिरामिसू का आनंद लेती नजर आ रही हैं। वीडियो साझा कर उन्होंने एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने आकांक्षा और कुंजू को धन्यवाद दिया। नोट में उन्होंने लिखा, ष्इन दो खूबसूरत आत्माओं ने मेरे लिए घर पर यह स्वादिष्ट तिरामिसू बनाया.. . मुझे इतना खास महसूस कराने के लिए आकांक्षा और कुंजू का शुक्रिया, भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें। अपनी पिछली स्टोरी में हिना तस्वीर में टोपी और चश्मा पहने हुए नजर आ रही हैं। अपनी टी-शर्ट की ओर इशारा करते हुए खुद की एक तस्वीर साझा की, जिस पर लिखा था 'हर चीज के लिए आभारी, मेरी हर सांस में, मेरे दिल की हर धड़कन के साथ मेरे अस्तित्व के हर रेशे के साथ .. हर चीज के लिए आभारी.., कोई शिकायत नहीं, सिर्फ शुद्ध प्रेम और अटूट विश्वास। ये रिश्ता क्या कहलाता है में शानदार एक्टिंग कर घर-घर छाई हिना खान अक्षरा माहेश्वरी सिंघानिया के रूप में खासा लोकप्रिय हैं। हिना खान ने जून 2024 में घोषणा की कि वह ब्रेस्ट कैंसर के स्टेज 3 से पीड़ित हैं और उनका इलाज चल रहा है। हिना खान का जन्म 1987 में हुआ था। 2008 में उन्होंने इंडियन आइडल के लिए ऑडिशन दिया, जहां वह टॉप 30 में पहुंची। बाद में उन्होंने 2009 में अक्षरा सिंघानिया के रूप में टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अपनी शुरुआत की। उसके बाद 2017 में वह फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 8 में शामिल हुईं, जहां उन्हें 'शेर खान' का खिताब हासिल हुआ। बिग बॉस 11 में भी हिना दमदार खिलाड़ी के रूप में नजर आई थीं। मई 2024 में हिना खान ने 'शिंदा शिंदा नो पापा' में गिप्पी ग्रेवाल के साथ पॉलीवुड डेब्यू किया था।

आपका शर्मीलापन कहीं हनीमून का मजा ना कर दे किरकिरा, शर्म को छोड़ खुलकर करें एंजॉय

शादी के बाद कपल को हनीमून का इंतजार बेसब्री से रहता है। यह वक्त ऐसा होता है जहां सिर्फ पति–पत्नी के अलावा तीसरा कोई नहीं होता। ऐसे में इस पल का खुलकर आनंद लेना चाहिए। अगर आप स्वभाव से शर्मीली हैं तो चिंता ना करें आज हम आपको ऐसे आसान तरीके बताएंगे जिसकी मदद से आप अपने हनीमून को रोमांटिक और यादगार बना सकती हैं।

खुलकर बातचीत करें

एक–दूसरे से खुलकर बातें करना रिश्ते को मजबूत बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। जब आप अपने साथी के साथ अपनी भावनाओं को साझा करेंगी, तो आपके बीच का संबंध और गहरा होगा। यदि आप बहुत ज्यादा शर्मीली हैं, तो पहली बार में अपनी भावनाओं को व्यक्त करना मुश्किल हो सकता है। इससे थोड़ी असहजता महसूस हो सकती है, लेकिन धीरे–धीरे आप इसे बेहतर कर पाएंगी।

एक्साइटिंग एक्टिविटीज में भाग लें

किसी एडवेंचर एक्टिविटी जैसे बोटिंग, ट्रेकिंग या रोमांटिक डिनर का प्लान करना आपको एक–दूसरे के करीब लाने में मदद करेगा। यह हनीमून के यादगार पलों में से एक बन सकता है। अगर आपको या आपके पार्टनर को किसी एक्टिविटी का अनुभव नहीं है या आप उसमें सहज नहीं हैं, तो यह थोड़ा तनावपूर्ण भी हो सकता है।

सर्प्राइज प्लान करें

अपने पार्टनर के लिए एक छोटा सर्प्राइज, जैसे उनके पसंदीदा फूड ऑर्डर करना या खास जगह की विजिट प्लान करना, उन्हें खुश कर सकता है। यह आपके शर्मीलेपन को भी कम करेगा और आप दोनों के बीच एक खास कनेक्शन बनाएगा। सर्प्राइज में कई बार योजनाएं पूरी तरह से नहीं बन पातीं, जिससे निराशा हो सकती है। इसलिए सर्प्राइज प्लानिंग करते समय ध्यान रखें कि आपकी योजनाएं आपके पार्टनर की पसंद के अनुरूप हों।

रोमांटिक माहौल बनाएं

होटल के कमरे को मोमबत्तियों, फूलों और नरम संगीत से सजाना रोमांटिक माहौल बनाने में मदद करेगा। इससे आप दोनों एक–दूसरे के साथ समय बिताने में अधिक सहज महसूस करेंगे। अगर आप बहुत शर्मीली हैं, तो इस तरह का रोमांटिक माहौल आपको असहज महसूस करा सकता है। इस स्थिति में, धीरे–धीरे माहौल को हल्का रखने की कोशिश करें।

छोटे–छोटे पलों का आनंद लें'

छोटे पलों जैसे साथ में चाय पीना, समुद्र किनारे टहलना, या सूरज डूबते देखना, आपके रिश्ते को मजबूत करेंगे। ये पल आपको और आपके पार्टनर को बिना किसी दबाव के एक–दूसरे के साथ जोड़ने का मौका देंगे। कभी–कभी हनीमून पर अधिक उत्साह के कारण लोग बड़े आयोजन पर ध्यान देते हैं और इन छोटे पलों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसलिए, इन पलों का भी आनंद लेना जरूरी है।

स्पेस दें और लें

हनीमून के दौरान अपने साथी को व्यक्तिगत स्पेस देना भी जरूरी है। इससे आपको और आपके पार्टनर को अपनी व्यक्तिगत भावनाओं पर ध्यान देने का समय मिलेगा। अगर बहुत ज्यादा स्पेस दिया जाए, तो यह दूरी का कारण भी बन सकता है। इसलिए इसे संतुलित करना जरूरी है।

ध्यान रखें कि परफेक्शन जरूरी नहीं

खुद पर परफेक्शन का दबाव न डालें। हनीमून का उद्देश्य एक–दूसरे के साथ समय बिताना है, न कि हर पल को परफेक्ट बनाना। इससे आप तनावमुक्त रहेंगी और चीजों का आनंद लेंगी। कभी–कभी समाज की उम्मीदें या सोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाले आदर्श हनीमून की छवि आपके अनुभवों को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, असलियत में जो आपके लिए सही है, उसी पर ध्यान दें।

आज हम बात करेंगे उन खतरनाक संक्रामक वायरसों के बारे में जो हमारे दिमाग पर सीधा अटैक कर सकते हैं। इन वायरसों के चलते मस्तिष्क में सूजन, गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं और कभी–कभी तो जानलेवा स्थितिया भी उत्पन्न हो सकती हैं। जानिए ऐसे पांच जानलेवा वायरस के बारे में, जो आपके जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। चलिए, शुरू करते हैं!

वेस्ट नाइल फीवर

वेस्ट नाइल बुखार एक मच्छर द्वारा फैला वायरस है, जिसके लक्षणों में सिरदर्द, तेज बुखार, गर्दन में अकड़न, मांसपेशियों में कमजोरी, और दौरे शामिल हैं। यह वायरस अगर दिमाग तक पहुँच जाए, तो मेनिनजाइटिस जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। इसमें जीका और डेंगू दोनों शामिल हैं। वेस्ट नाइल फीवर वैसे तो ज्यादा हानिकारक नहीं माना जाता है, मगर दिमाग तक वायरस फैल जाए तो दिमाग और रीढ़ की हड्डी की परत पर सूजन कर सकता है। कई बार मरीज को मेनिनजाइटिस नाम की बीमारी हो जाती है, जो कि एक संक्रामक बीमारी है।

रेबीज

रेबीज एक जानलेवा वायरस है, जो आमतौर पर जानवरों के काटने से फैलता है। यह वायरस नसों के जरिए दिमाग में पहुंचकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स पैदा कर सकता है। समय पर इलाज न कराने पर यह इंसान को कोमा में पहुंचा सकता है या यहां तक कि मौत का कारण बन सकता है।

कोविड–19

कोविड–19 का वायरस इंसान के दिमाग पर समय के साथ गंभीर प्रभाव डाल सकता है। यह मस्तिष्क में सूजन पैदा करता है और कई मरीजों में ब्रेन फॉग जैसी समस्याएं देखी गई हैं। इसके परिणामस्वरूप भूलने की बीमारी, स्ट्रेस, और तनाव का अनुभव बढ़ सकता है।

डेंगू

डेंगू बुखार से भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके लक्षणों में बुखार, जोड़ों में दर्द, और उल्टी शामिल हैं। डेंगू के गंभीर मामलों में एन्सेफ्लाइटिस हो सकता है, जो दिमाग में सूजन का कारण बनता है।

ईस्टर्न इक्विन इंसेफेलाइटिस (ईईई)

ईईई एक मच्छर द्वारा फैलने वाला वायरस है, जो इम्युन सिस्टम पर हमला करता है। यह दिमाग में सूजन पैदा कर सकता है और सोचने–समझने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। यह वायरस जानवरों में भी प्रभाव डालता है और कई बार यह जानलेवा साबित होता है। दिमाग से जुड़ी बीमारियों का संकट बढ़ता जा रहा है। इन वायरसों से बचने के लिए सावधानी बरतना आवश्यक है। किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस होने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें। आपकी जान और स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण हैं।

अगर समय से पहले आपके भी बाल सफेद हो गए है तो परेशान न हो। बस इन दो चीजों पर काम करना शुरु कर दें। अगर आप इन दोनो तरीकों में से एक भी तरीका अपना लिया तो 100: आपके बाल हमेशा काले ही रहेंगे और सिर पर सफेदी कभी नहीं छाएगी।

आजकल युवाओं में समय से पहले बाल सफेद की समस्या देखने को मिल रही है। आज के समय में उम्र में बड़े लोगों के ही बाल सफेद नहीं हो रहे हैं, बल्कि स्कून से लेकर कॉलेज को लोगों के बालों में सफेदी जा रही है। इसके पीछे वजह हो सकती है जरुरी पोषण नहीं मिल पा रहा है। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे बालों को काले करने का कारगर उपाय आप इसे जरुर फॉलो करें।

आंवला का जूस का इस्तेमाल करें

आंवले के जूस का पीने के बजाय आप इसे बालों मे जरुर लगाएं। रोज रात को आंवले का ताजा जूस निकालें अपने बालों पर लगाएं और सो जाएं। अगले दिन इसे वॉश कर लें। गौरतलब है कि आंवला में विटामिन सी और प्रोटीन पाया जाता है, जो बालों को काला बनाए रखने के साथ–साथ उन्हें मजबूती और शाइन देने का काम करता है।

त्रिफला का यूज करें

त्रिफला एक आयुर्वेदिक जड़ी–बूटी है। त्रिफला आपके गट्स को बूस्ट करते हैं, बॉडी को डिटॉक्स करता है और मेलेनिन को बनाने में मदद करता है। यह हमारे बालों को काला करता है। आपको बता दें कि, इसमें हरड़ और बहेड़ा (बिभीतकी) होता है, जो बालों को नेचुरली काला रखने की प्रॉपर्टी रखते हैं। इसलिए अगर आप अपने बालों पर त्रिफला का प्रयोग करते हैं तो बाल कभी भी सफेद नहीं होंगे।

बालों पर त्रिफला कैसे इस्तेमाल करें

सबसे पहले आप दही में आप त्रिफला मिला ले और साथ में मेथी दाना मिक्स करके बालों पर हेयर मास्क की तरह लगा सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो पानी में त्रिफला को मिलाकर पेस्ट तैयार कर सकते हैं और फिर 10 मिनट बाद उससे मसाज करने के बाद हेयर वॉश कर सकते हैं। ये आपके बालों और स्कैल्प की हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

अधिकांश समय, उच्च रक्तचाप के कारण सिरदर्द या नाक से खून नहीं आता है। लेकिन, यह यह समस्या तब हो सकती है जब रक्तचाप 180/120 से ऊपर हो। यदि आपका रक्तचाप बहुत अधिक है और आपको ये लक्षण हैं, तो 5 मिनट आराम करें और फिर से जांच करें।

उच्च रक्तचाप के बारे में सबसे खतरनाक चीज यह है कि अधिकतर लोगों को इसकी जानकारी ही नहीं होती है कि वह हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च रक्तचाप के कोई लक्षण नहीं होते हैं जब तक कि यह बहुत गंभीर न हो। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि व्यक्ति को समय–समय पर अपने ब्लड प्रेशर की जांच करवाते रहना चाहिए।

अगर आप चाहें तो घर पर भी रक्तचाप पर नजर रख सकते हैं। हालांकि, कुछ स्थितियों में हाई ब्लड प्रेशर होने पर व्यक्ति को कुछ लक्षण नजर आ सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको रक्तचाप से जुड़े ऐसे ही लक्षणों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए–

गंभीर उच्च रक्तचाप के लक्षण

यदि आपका रक्तचाप बहुत अधिक है, तो कुछ ऐसे लक्षण हो सकते हैं जो आपको दिखाई दे सकते हैं–

– बहुत तेज सिरदर्द
– नकसीर
– थकान
– नजरों की समस्या
– छाती में दर्द
– सांस लेने में दिक्कत
– दिल की अनियमित धड़कन
– पेशाब में खून आना

अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। आपको उच्च रक्तचाप से ग्रस्त संकट हो सकता है जिससे दिल का दौरा या स्ट्रोक हो सकता है। आपको एक और गंभीर स्वास्थ्य स्थिति भी हो सकती है।

यह भी जान लें

अधिकांश समय, उच्च रक्तचाप के कारण सिरदर्द या नाक से खून नहीं आता है। लेकिन, यह यह समस्या तब हो सकती है जब रक्तचाप 180/120 से ऊपर हो। यदि आपका रक्तचाप बहुत अधिक है और आपको ये लक्षण हैं, तो 5 मिनट आराम करें और फिर से जांच करें। यदि आपका रक्तचाप अभी भी असामान्य रूप से उच्च है, तो यह एक मेडिकल इमरजेंसी है और आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

यह भी याद रखें कि उच्च रक्तचाप में आमतौर पर लक्षण नहीं होते हैं। इसलिए सभी को इसकी नियमित जांच करानी चाहिए।

संक्षिप्त

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक : अजय बंगा

वाशिंगटन । विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। बंगा ने पत्रकारों से कहा, '' इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत की वृद्धि दर विश्व अर्थव्यवस्था के सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। मुझे लगता है कि इस तरह के माहौल में छह से सात प्रतिशत और उससे अधिक की दर से वृद्धि कर पाना आपको दिखाता है कि उन्होंने वहां तक घ्प्पहुंचने के लिए कई कदम उठाए हैं।'' विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अगले सप्ताह होने वाली वार्षिक बैठक से पहले बंगा ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा, '' भारत में हुई अधिकतर वृद्धि घरेलू बाजार के दम पर मुमकिन हो पाई है जो कुछ मायनों में एक अच्छा संकेत है। भारत को जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है और जैसा कि प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने भी कहा है... जीवन की गुणवत्ता, जैसे हवा तथा पानी की गुणवत्ता आदि पर काम करना जरूरी है।'' वहीं विश्व बैंक की प्रबंध निदेशक (परिचालन) एन्ना बेर्डे ने कहा कि बैंक सरकार को वृद्धि को रोजगार तथा टिकाऊ विकास में बदलने में सहायता कर रहा है। उन्होंने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि भारत में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं।

अशनीर ग्रोवर ने भारतपे के निदेशक मंडल के खिलाफ दायर याचिका ली वापस

नयी दिल्ली । भारतपे के सह–संस्थापक एवं पूर्व प्रबंध निदेशक अशनीर ग्रोवर ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष दाखिल अपनी वह याचिका वापस ले ली, जिसमें उन्होंने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी के निदेशक मंडल पर दमनकारी आचरण तथा कुप्रबंधन का आरोप लगाया था। ग्रोवर ने 30 सितंबर 2024 को कंपनी के साथ समझौता कर लिया था। अशनीर ग्रोवर की ओर से पेश वकील ने याचिका वापस लेने के लिए आवेदन दायर किया और समझौते की एक प्रति भी एनसीएलटी के समक्ष पेश की। एनसीएलटी के 14 अक्टूबर 2024 के आदेश में कहा गया, '' ... उक्त याचिका के

लंबित रहने के दौरान पक्षकार समझौता कर चुके हैं। 30 सितंबर 2024 को समझौता निष्पादित हो चुका है, जिसकी एक प्रति रिकॉर्ड में रखी गई है। समझौता आवेदक (जो मुख्य कंपनी याचिका में याचिकाकर्ता है) ने कंपनी याचिका वापस लेने की स्वतंत्रता मांगी है।'' इसमें कहा गया, '' आवेदक को कंपनी याचिका वापस लेने की स्वतंत्रता दी जाती है... और इसे वापस लिया गया मानकर खारिज किया जाता है। वर्तमान आईए का निपटारा किया जाता है।'' इसके अलावा, ग्रोवर ने 17 अक्टूबर को एनसीएलएटी से भी अपनी याचिका वापस ले ली, जिसमें उन्होंने एनसीएलटी में मामले की शीघ्र सुनवाई की मांग की थी। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी भारतपे ने हाल ही में अपने पूर्व सह–संस्थापक अशनीर ग्रोवर के साथ समझौता कर लिया था। इसके साथ ही दोनों के बीच महीनों से जारी कानूनी और सार्वजनिक विवाद समाप्त हो गया था।

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथे सत्र में गिरावट

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। बाजारों में लगातार चौथे सत्र में गिरावट आई है। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 570.45 अंक की गिरावट के साथ 80,436.16 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 178.3 अंक फिसलकर 24,571.55 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30

कंपनियों में से टाइटन, इंफोसिस, मारुति, नेस्ले, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स और भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी आई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहा, जबकि जापान का निक्की 225, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.60 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 7,421.40 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

हरमनप्रीत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय कप्तान बरकरार

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए हरमनप्रीत कौर को सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम क्रिकेट टीम का कप्तान बरकरार रखा गया जबकि चयनकर्ताओं ने 24 अक्टूबर से शुरू हो रही श्रृंखला के लिए चार 'अनकैप्ड' (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ियों को भी चुना है।

नयी दिल्ली। हरमनप्रीत कौर को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए बृहस्पतिवार को सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम क्रिकेट टीम का कप्तान बरकरार रखा गया जबकि चयनकर्ताओं ने 24 अक्टूबर से शुरू हो रही श्रृंखला के लिए चार 'अनकैप्ड' (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ियों को भी चुना है। टी20 विश्व कप से भारत के जल्दी बाहर होने के बाद कप्तान के रूप में हरमनप्रीत के भविष्य पर सवाल उठने लगे थे। हालांकि चयनकर्ताओं ने फिलहाल उनके साथ बने रहने का फैसला किया है। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों की शुरुआत भी करेंगे जिसकी मेजबानी भारत अगले साल करेगा। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि 21 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष इस श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं होंगी क्योंकि इसकी तारीखें उनकी 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के साथ टकरा रही हैं। चोट के कारण आशा शोभना के नाम पर विचार नहीं किया गया जबकि ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार को आराम दिया गया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में भारत ए टीम का हिस्सा रही अनकैप्ड खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। जिसमें तेजल हसबनीस, सयाली सतगरे और प्रिया मिश्रा शामिल हैं। डब्ल्यूपीएल खेल चुकी तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर टीम की एक और ऐसी सदस्य हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का इंतजार है। टी20 विश्व कप में खराब फॉर्म में चल रहीं स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है। चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी बल्लेबाज उमा छेत्री भी टीम का हिस्सा हैं और वह इस श्रृंखला में एकदिवसीय पदार्पण कर सकती हैं। तीनों मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

हल्दीराम के प्रमोटर्स ने हिस्सेदारी बिक्री की योजना में बदलाव किया

अब 10–15 प्रतिशत की हिस्सेदारी पर नजर, रिपोर्ट में खुलासा

हल्दीराम भारत की अग्रणी स्नैक निर्माता कंपनियों में से एक है। हल्दीराम के प्रमोटरों ने कंपनी की हिस्सेदारी की बिक्री के संबंध में अपनी योजना में कुछ बड़ा बदलाव किया है। प्रमोटर अब पहले से मानी जा रही बहुलांश हिस्सेदारी के स्थान पर 10–15 प्रतिशत अल्पमत हिस्सेदारी बेचने की मांग कर रहे हैं। मिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में निजी इक्विटी दिग्गज बेन कैपिटल, ब्लैकस्टोन और सिंगापुर स्थित

टेमासेक होल्डिंग्स वर्तमान में संभावित निवेश के लिए हल्दीराम का मूल्यांकन कर रहे हैं। यह 51 प्रतिशत की नियंत्रित हिस्सेदारी बेचने की पिछली योजना से बदलाव को दर्शाता है, जिससे कंपनी का मूल्यांकन +8 बिलियन से +10 बिलियन के बीच होता। हालांकि, रिपोर्ट में उल्लेखित अनुसार, अल्पमत हिस्सेदारी बेचने का निर्णय हल्दीराम की मजबूत लाभप्रदता और नकदी प्रवाह क्षमता से प्रेरित हो सकता है। ब्लूमबर्ग ने पहले बताया था कि टेमासेक होल्डिंग्स अल्पमत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए शुरुआती बातचीत कर रही है, जिससे कंपनी का मूल्य करीब 11 बिलियन डॉलर हो सकता है। इस निवेश को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के संभावित अग्रदूत के रूप में देखा जा रहा है, जो हल्दीराम की बाजार उपस्थिति को और बढ़ा सकता है। इस साल की शुरुआत में, बेन कैपिटल, ब्लैकस्टोन और टेमासेक ने कंपनी में बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने में रुचि दिखाई थी। उस समय, इस सौदे को वैश्विक निवेशकों के लिए भारत के तेजी से बढ़ते स्नैक बाजार में पैर जमाने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा गया था, जिसके 2032 तक 95,521.8 करोड़ रुपये तक बढ़ने का अनुमान है। कम हिस्सेदारी में बदलाव के बावजूद, भारत के खाद्य और पेय क्षेत्र की दीर्घकालिक विकास क्षमता के कारण निजी इक्विटी फर्मों की रुचि बनी हुई है। हल्दीराम समूह विलय और पुनर्गठन ये घटनाक्रम हल्दीराम समूह के भीतर एक महत्वपूर्ण पुनर्गठन के बाद हुआ है।

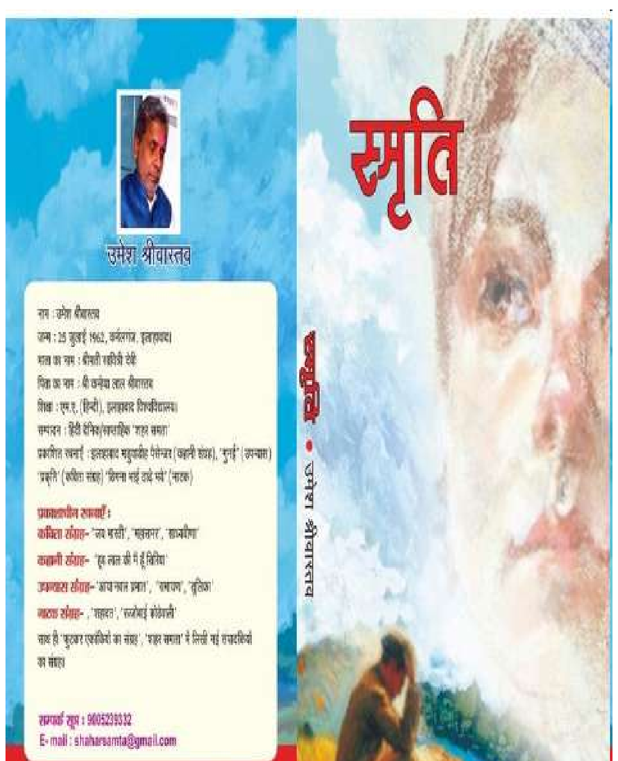

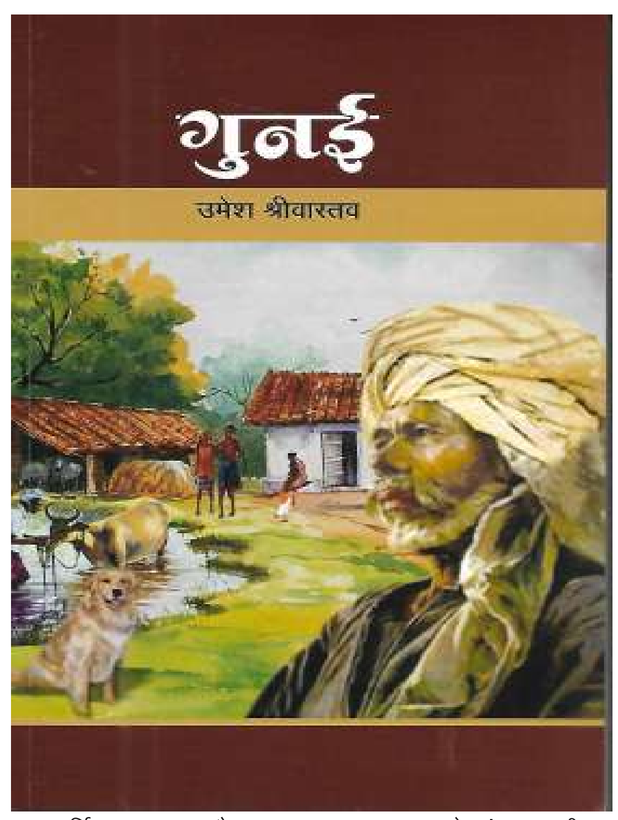

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

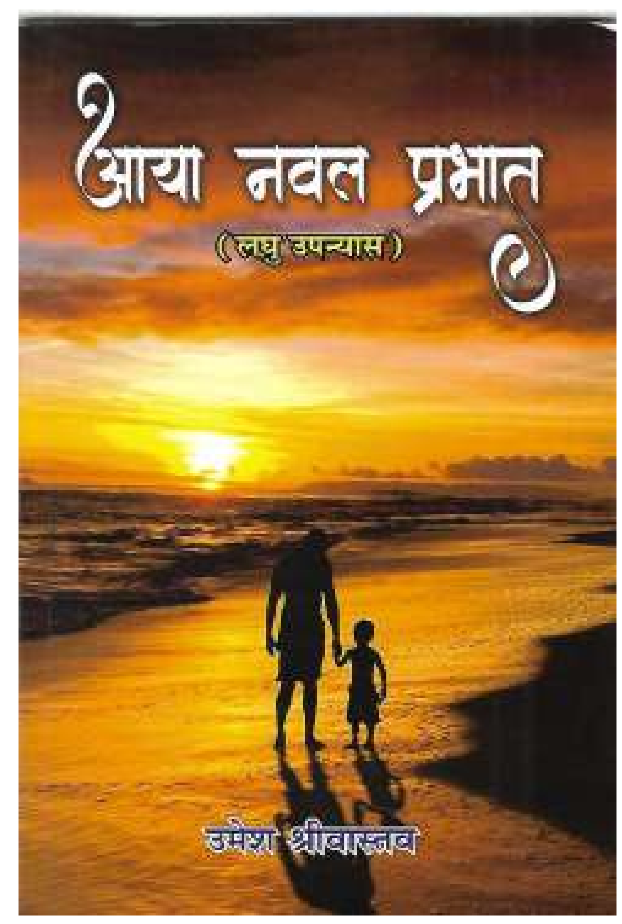

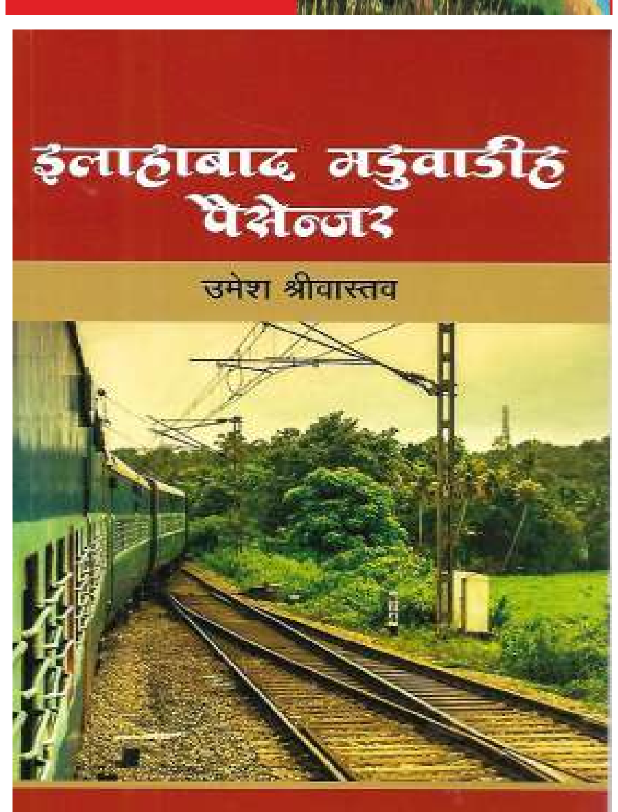

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

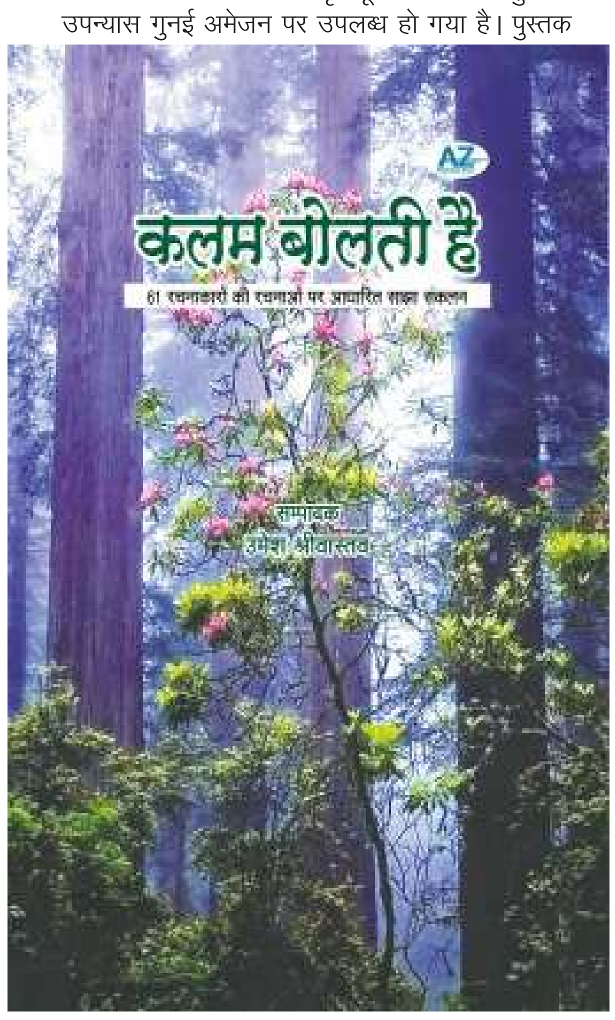

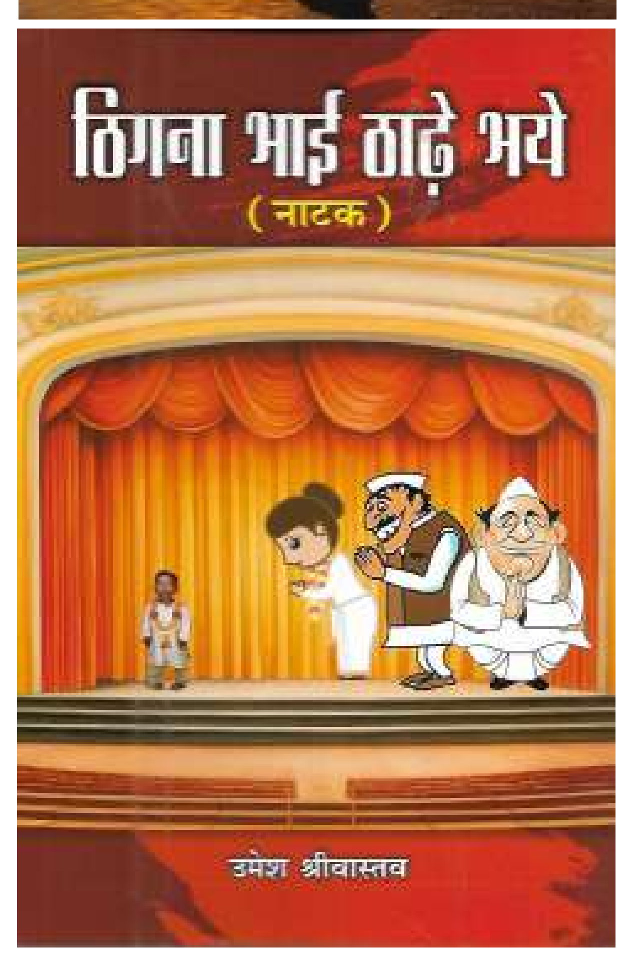

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कमला हैरिस ने ट्रंप को बताया अस्थिर व्यक्ति, रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों से की देश को आगे रखने की अपील

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने रिपब्लिकन पार्टी के 100 से अधिक पूर्व पदाधिकारियों की मौजूगी में पार्टी के समर्थकों से देश को आगे रखने और डोनाल्ड ट्रंप का साथ छोड़ने की अपील की। उन्होंने रिपब्लिकन मतदाताओं से कहा कि अगले महीने होने वाले चुनाव में देशभक्तों की पसंद उनकी पार्टी है क्योंकि ट्रंप अस्थिर व्यक्ति हैं और अगर वह दूसरी बार राष्ट्रपति बने तो लोकतांत्रिक मूल्यों को खत्म कर देंगे। हैरिस ने बुधवार को यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका को इस

चेतावनी पर गौर करना चाहिए। दोनों नेता चुनाव से पहेल अंतिम सप्ताहों में समर्थन जुटाने के लिए हाई–प्रोफाइल सरोगेट्स को भी तैनात कर रहे हैं, जिसमें अरबपति एलोन मस्क की अवश्य जीतने वाले पेंसिल्वेनिया में ट्रम्प के लिए उपस्थिति की श्रृंखला भी शामिल है। हैरिस ने ला क्रॉसे, विस्कॉन्सिन के विनिर्माण केंद्र में एक भीड़ से कहा कि हम घरेलू स्तर के करीब हैं, और यह अंत तक एक कड़ी दौड़ होने वाली है। उन्होंने बाद में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप एक अगंभीर व्यक्ति हैं और ओवल ऑफिस में दोबारा पैर जमाने के परिणाम बेहद गंभीर हैं। हैरिस, जिन्होंने विस्कॉन्सिन के सबसे बड़े शहरों में से एक, ग्रीन बे में भी मतदाताओं को एकजुट किया, ने राज्य के युवा मतदाताओं और ब्लू–कॉलर कार्यकर्ताओं तक अपनी पहुंच बढ़ाई। ट्रम्प एक सहायक पॉडकास्ट के साथ एक साक्षात्कार के लिए बैठे, जिसमें आव्रजन, अर्थव्यवस्था और अमेरिकी मीडिया के खिलाफ उनकी शिकायतें प्रमुख थीं – हालांकि उन्होंने अपने देश पर रूस के आक्रमण के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की को दोषी ठहराते हुए खबर बनाई। ज़ेलेंस्की उन सबसे महान सेल्समैनों में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है। जब भी वह आता है, हम उसे 100 अरब डॉलर देते हैं। इतिहास में इतना पैसा और किसे मिला? वहां (कोई भी) कभी नहीं रहा।

इजराइल ने अपना हिसाब चुकता कर लिया, लेकिन युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है : पीएम नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को कहा कि इजराइल ने उस व्यक्ति से अपना हिसाब चुकता कर लिया है जिसने 'होलोकॉस्ट' (यहूदी नरसंहार) के बाद हमारे लोगों के इतिहास में सबसे भीषण नरसंहार को अंजाम दिया।'' नेतन्याहू ने कहा कि हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या

गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को वापस लाने के लिए ''युद्ध में एक महत्वपूर्ण क्षण'' है। उन्होंने यह भी कहा कि जो कोई भी हथियार सौंप देगा और बंधकों की वापसी में सहायता करेगा, उसे गाजा से सुरक्षित रूप से जाने दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, ''हमारा युद्ध अभी ख़त्म नहीं हुआ है।'' इजराइल की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि गाजा में उसके सैनिकों ने हमास के शीर्ष नेता याह्या सिनवार को मार गिराया है। सिनवार पिछले साल इजराइल पर हमले का मुख्य साजिशकर्ता था, जिसके बाद हमास–इजराइल के बीच भीषण जंग शुरू हुई। सिनवार इजराइल–हमास युद्ध की शुरुआत से ही इजराइल में सर्वाधिक वांछित लोगों की सूची में सबसे ऊपर था, और उसकी हत्या से आतंकवादी समूह को एक बड़ा झटका लगा है। हमास ने सिनवार की मौत की फिलहाल कोई पुष्टि नहीं की है।

बाइडन और हैरिस ने सिनवार की मौत को गाजा में युद्ध समाप्ति के लिए मौका बताया

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को कहा कि इजराइली सैनिकों द्वारा हमास नेता याह्या सिनवार को मार गिराया जाना 'इजराइल, अमेरिका और दुनिया के लिए एक अच्छा दिन' है। बाइडन ने कहा कि सिनवार की मौत हमास के लिए बंधक बनाए गए इजराइली बंधकों को मुक्त करने और गाजा में साल भर से जारी युद्ध को समाप्त करने का 'मौका' है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने भी सिनवार की मौत को गाजा में युद्ध को समाप्त करने के लिए अवसर करार दिया। बाइडन ने एक बयान में इस घटना की तुलना अल–कायदा के आतंकी ओसामा बिन लादेन की हत्या के बाद अमेरिका में महसूस की गई भावना से की। लादेन 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में किये गये हमले का आरोपी था। बाइडन ने कहा कि सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमले के मास्टरमाइंड की मौत एक बार फिर साबित करती है कि दुनिया में कहीं भी कोई भी आतंकवादी न्याय से बच नहीं सकता चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

सिनवार को मार कर कहा- कल के कल खत्म कर दूंगा जंग, लेकिन...

हमास चीफ याह्या सिनवार की मौत के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने दुश्मनों को एक आखिरी पैगाम देते नजर आए। वो आखिरी चेतावनी के साथ हमास को घुटने टेकने का लास्ट चांस देने की बात करने दिखे। सिनवार की मौत के बाद जहां हमास को तगड़ा झटका लगा वहीं इजरायल समेत पूरी दुनिया में इस वक्त जश्न का माहौल है। इजरायल समर्थक इस जीत में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। हमास नेता याह्या सिनवार के मारे जाने के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बड़ा बयान दिया और ये साफ कर दिया कि इसकी पुष्टि हो चुकी है कि याह्या सिनवार इजरायल के हमले में मारा जा चुका है। नेतन्याहू ने कहा कि भयंकर

नरसंहार को अंजाम देने वाले शख्स को हमारी सेना ने मार गिराया है। नेतन्याहू ने कहा कि लेकिन हमारी जंग अभी खत्म नहीं हुई है। ये जंग खत्म होने की शुरुआत है। इजरायली प्रधानमंत्री ने गाजा के लोगों को एक संदेश में कहा कि ये जंग कल ही खत्म हो सकती है। अगर हमास हार मान ले और हमारे नागरिकों को रिहा कर दे। हमास ने हमारे 101 नागरिकों को बंदी बनाकर रखा हुआ है। वहां इजरायल के अलावा और भी कई देश के लोग बंदी हैं। नेतन्याहू ने कहा कि बंधकों को रिहा करवाने के लिए इजरायल पूरी कोशिश कर रहा है। इजरायल अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। याह्या सिनवार की मौत के साथ ही इजरायल ने उस व्यक्ति के साथ अपना हिसाब चुका दिया है जिसने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल की काली तारीख लिखी। जिसने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में घुसपैठ कर जबरदस्त आतंकी हमले को अंजाम दिया। अब वो याह्या सिनवार मारा जा चुका है जिसने इजरायली नागरिकों को अगवा करने का आदेश दिया। इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर पर एक सप्ताह से अधिक समय से हवाई और जमीनी हमला जारी रखा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक विस्थापित फलस्तीनी शरणार्थियों ने जिस स्कूल में शरण ले रखी थी, वहां इजराइल के हवाई हमले में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की स्थानीय आपातकालीन इकाई के प्रमुख फरेस अबू हमजा ने कहा कि हमलों में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि कमाल अदवान अस्पताल में घायलों को भर्ती कराया गया है। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने स्कूल के अंदर हमास और इस्लामिक जिहाद द्वारा संचालित कमांड सेंटर को निशाना बनाया, जहां आतंकी छिपे हुए थे। इजराइल ने गाजा में विस्थापित लोगों को शरण देने वाले अस्थाई शिविरों और स्कूलों पर कई बार हमले किए हैं। इजराइली सेना का कहना है कि वह आतंकवादियों को निशाना बनाती है और नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने का प्रयास करती है।

भारत से व्यापार पर प्रतिबंध लगाना मूर्खता, कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ की ट्रूडो को नसीहत

ओटावा। कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ जो एडम जॉर्ज ने पीएम जस्टिन ट्रूडो को नसीहत दी है। भारत पर लगाए गए आरोपों से पीछे हटने के बाद व्यापार प्रतिबंधों को लेकर चल रही चर्चा पर जॉर्ज ने कहा कि मुझे लगता है इसे लेकर दोनों देशों को इंतजार करना चाहिए। किसी भी पक्ष की ओर से कुछ ऐसा करने का प्रयास करना मूर्खता होगी, क्योंकि अंततरू उन्हें पछताना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कनाडा के लिए प्रवासी भारतीय काफी अहमियत रखते हैं। वहीं कनाडा को अंतरराष्ट्रीय छात्रों और प्रवासियों से बड़ा राजस्व मिलता है। उन्हें परेशान नहीं करना चाहिए। इसलिए ऐसा कुछ भी मूर्खतापूर्ण न करना कनाडा के हित में होगा। मैं जानता हूं कि कनाडा की ओर से प्रतिबंधों के बारे में बात हुई है, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें काफी समय लगेगा। उन्होंने कहा कि पीएम ट्रूडो का यह स्वीकार करना कि उन्होंने भारत के साथ ठोस सबूत साझा नहीं किए थे, यह काफी दिलचस्प था। सवाल यह है कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत का हाथ होने का आरोप सार्वजनिक करने का औचित्य क्या है? कनाडा ने समय के साथ भारत के साथ सबूत साझा किए हैं या नहीं यह तो समय ही बताएगा। उन्होंने कहा कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी)

को दक्षिण एशियाई समुदाय के सदस्यों के लिए खतरों की जानकारी मिली थी। इसलिए आरसीएमपी ने साल की शुरुआत में फरवरी में इन अपराधों की जांच के लिए एक बहुपक्षीय टीम बनाई थी। जांच के दौरान टीम को इन गतिविधियों में उच्चायुक्त सहित भारतीय राजनयिकों की कथित संलिप्तता का पता चला। तभी उन्होंने इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि इसे लेकर पिछले सप्ताह के अंत में आरसीएमपी के डिप्टी कमिश्नर मार्क फ्लिन ने भारतीय कानून प्रवर्तन समकक्षों से मिलने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने उनसे मिलने से इनकार कर दिया। इसके बाद फ्लिन ने कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और विदेश मामलों के उप मंत्री के साथ मिलकर भारत के अधिकारियों से मिलने का फैसला किया। उन्होंने उन्हें भारतीय राजनयिकों द्वारा और भारत सरकार के लोगों के निर्देशन में किए गए इन कथित अपराधों की गंभीरता के बारे में सूचित किया। यह बात भारत के गृह मंत्री अमित शाह तक पहुंची थीं। आरसीएमपी ने भारत से सभी राजनयिकों की राजनयिक स्थिति को रद्द करने के लिए कहा ताकि वे उनके खिलाफ आरोपों को आगे बढ़ा सकें। मगर भारत ने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया और उन्हें कनाडा से बाहर निकालने का फैसला किया...ष कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों को पनाह दिए जाने के बारे में भारत की चिंता पर कनाडाई राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ जो एडम जॉर्ज कहते हैं कि 1985 में एयर इंडिया पर बमबारी की गई थी, जो आज तक कनाडा का सबसे भयानक आतंकवादी हमला है। पिछले साल एक सर्वेक्षण हुआ था जिसमें पाया गया था कि 10 में से 9 कनाडाई लोगों को एयर इंडिया बम विस्फोट के बारे में जानकारी नहीं है या उन्हें इसके बारे में बहुत कम जानकारी है। इससे पता चलता है कि कनाडाई सरकार खालिस्तानी मुद्दे को गंभीरता से क्यों नहीं लेती है। दरअसल खालिस्तान आंदोलन पश्चिम के लिए सीधा खतरा पैदा नहीं करता है। इसलिए देखा जाता है कि पश्चिमी देश भारत की दलीलों को कमतर आंकने या नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं, भारत की चिंताएं चाहे कितनी भी जायज क्यों न हों। मेरा मानना है कि कनाडा अलगाववादी उग्रवाद को वैध धर्म के साथ जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कनाडा मानता है कि सभी सिख खालिस्तानी हैं और सभी खालिस्तानी सिख हैं और समस्या मूल रूप से यही है। पिछले साल प्रकाशित हुई ब्रिटेन सरकार द्वारा संचालित ब्लूम समीक्षा रिपोर्ट में पाया गया था कि ब्रिटेन में खालिस्तानी कार्यकर्ता सरकारी अज्ञानता का फायदा उठा रहे हैं, सिखों को डरा रहे हैं, युवाओं का ब्रेनवॉश कर रहे हैं। आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए उनकी भर्ती कर रहे हैं और सिख मंदिरों से धन जुटा रहे हैं। समीक्षा में ब्रिटिश सरकार को चेतावनी देते हुए निष्कर्ष निकाला गया कि उन्हें इन खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ताओं की विध्वंसक, आक्रामक और सांप्रदायिक कार्रवाइयों से सावधान रहने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि व्यापक सिख समुदाय उनसे सुरक्षित हैं और उन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। अब जब इसे कनाडा में लागू करने की बात आती है, तो ट्रूडो सरकार पक्षपातपूर्ण लाभ के लिए इस पर विचार करने से इनकार कर देती है।

उर्दुस्तान की चाह, इंडिया गेट पर खालिस्तानी झंडे की हसरत

कौन है गुरपतवंत पन्नू, जिसके लिए यूएस ने इतना बड़ा कदम उठा लिया

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के भारत पर लगाए बेबुनियाद और गंभीर आरोपों पर दोनों देशों के बीच तनाव गहरा गया है। इसका असर दोनों देशों के सामरिक संबंधों पर भी पड़ा है। कनाडा के पीएम ट्रूडो के गैर जिम्मेदाराना और बेतुके बयान ने वहां रह रहे खालिस्तानी समर्थकों को उकसा दिया है। वे कनाडा में खुलकर भारत के विरोध में जहर उगलने लगे हैं। इसी कड़ी में खालिस्तानी नेता गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने कनाडा में रह रहे हिंदुओं को कनाडा छोड़ने की धमकी दे दी है। भारत का एक गद्दार जो कनाडा की कोख में बैठकर देश के खिलाफ जहर उगलता रहा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के डोजीयर में साफ बताया गया था कि गुरुपतवंत सिंह पन्नू भारत को कई भागों में बांटना चाहता है। धार्मिक आधार पर वो देश का बंटवारा करना चाहता है। मुस्लिमों के लिए वो डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऊर्दूस्तान बनाना चाहता है।

कौन है पन्नू

गुरुपतवंत सिंह पन्नू अलगाववादी ग्रुप सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख है। ये संगठन पंजाब को हिंदुस्तान से अलग करने की मांग करता है। 7 जुलाई 2022 को गृह मंत्रालय ने पन्नू को आतंकवादी घोषित कर दिया था। देशभर में पन्नू के खिलाफ 16 मामले दर्ज हैं। गुरुपतवंत सिंह पन्नू के पास कनाडा के साथ साथ अमेरिका की भी नागरिकता है। 56 साल के पन्नू का परिवार बंटवारे यानी 1947 में पाकिस्तान से अमृतसर आया था। गुरुपतवंत सिंह पन्नू का जन्म अमृतसर में ही हुआ था। उसने पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री ली है। लेकिन देश के खिलाफ गैर कानूनी काम करने का रास्ता उसने चुना।

इंडिया गेट पर खालिस्तानी झंडा फहराने पर ईनाम का ऐलान किया था

पन्नू वो शख्स है जो इंडिया गेट पर खालिस्तानी झंडा फहराने वाले को ढाई मिलियन यूएस डॉलर देने की घोषणा कर चुका है। पन्नू ने ऐसे पुलिसकर्मी को एक मिलियन डॉलर देने की घोषणा की थी जो 15 अगस्त 2021 के दिन लाल किले पर तिरंगा लहराने से रोके। कहा जाता है कि इसने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर पंजाब में खालिस्तानी मुहिम को फिर से भड़काने की कोशिश की थी। इस पर भारत में खालिस्तानी मूवमेंट को फंडिंग करने के भी आरोप लगे हैं।

कहां से आते हैं पैसे

अब समझिए कि कनाडा की जमीन पर बैठे पन्नू जैसे देश विरोधी लोग कितने ताकतवर हैं कि इन्हें पैसों की भी कोई कमी नहीं होती। दरअसल, खालिस्तानी और गैंगस्टर का नेटवर्क मिलकर काम करता है। एनआईए की जांच में खालिस्तानी आतंकी और गैंगस्टरों के गठजोड़ के पुख्ता सबूत मिले हैं। इस गठजोड़ के निशाने पर पंजाब फिल्म इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर और डॉयरेक्टर हैं। कनाडा के खालिस्तान गैंगस्टरों के साथ मिलकर वसूली का खेल खेल रहे हैं।

भारत की धरती पर ताइवान ने ऐसा क्या कर दिया? बौखला उठा चीन, संबंधों की देने लगा दुहाई

भारत और ताइवान की बढ़ती नजदीकियां अब ड्रैगन को चुभने लगी है। बीते जिनों मुंबई में ताइवान ने अपना नया कॉन्सुलेट ऑफिस खोला है। नई दिल्ली और चेन्नई में मौजूद ऑफिस को मिलाकर पूरे देश में ताइवान के तीन कॉन्सुलेट हैं। चीन ने को भारत से ताइवान के मुद्दों को सावधानी से संभालने और मुंबई में एक और ताइवान वास्तविक वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के बाद चीन–भारत संबंधों के सुधार में हस्तक्षेप से बचने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन ताइवान के साथ आधिकारिक संपर्क में शामिल होने के लिए अपने संबंध रखने वाले किसी भी देश के कदम का विरोध करता है। दुनिया में केवल एक–चीनहै और ताइवान चीन के क्षेत्र का एक अविभाज्य हिस्सा है। चीन के विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि चीन अपने साथ राजनयिक संबंध रखने वाले देशों और ताइवान के बीच हर प्रकार के आधिकारिक संपर्क और संवाद का कड़ा विरोध करता है जिसमें एक–दूसरे का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यालयों की स्थापना भी शामिल है। हमने भारतीय पक्ष के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है। माओ ने कहा कि एक–चीन के सिद्धांत पर भारतीय पक्ष की ओर से गंभीर राजनीतिक प्रतिबद्धता जताई गई है और यह चीन–भारत संबंधों के लिए राजनीतिक आधार का काम करती है। उन्होंने कहा कि चीन भारतीय पक्ष से आग्रह करता है कि वह अपनी प्रतिबद्धताओं का सख्ती से पालन करे, ताइवान से संबंधित मुद्दों को विवेकपूर्ण और उचित तरीके से सुलझाए, ताइवान के साथ किसी भी प्रकार की आधिकारिक बातचीत न करे और चीन–भारत संबंधों को सुधारने की प्रक्रिया में बाधा डालने से बचे। चीन ने मुंबई में ताइवान के ताइपे आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र (टीईसीसी) के हाल में स्थापित कार्यालय को लेकर भारत के समक्ष राजनयिक स्तर पर विरोध दर्ज कराया है। ताइवान को लेकर भारत का रुख साफ है। ताइवान भारत का एक प्रमुख साझेदार देश है। आर्थिक मोर्चे पर भारत और ताइवान कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। चाहे सेमीकंडक्टर का भारत में निर्माण हो या फिर अन्य्य छोटी–बड़ी तकनीक का अदान–प्रदान, ताइवान ने हर मौके पर भारत का साथ दिया है।

दक्षिण कोरियाई जासूसों ने खोली किम जोंग की पोल, यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद के लिए भेज रहा सैनिक

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को दो साल से ज्यादा वक्त हो चुका है। वहीं इसे लेकर दक्षिण कोरियाई जासूसों का कहना है कि उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में सहायता के लिए सेना भेज रहा है। इसके साथ ही रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को और विध्वंसक होने की संभावना बढ़ गई है। बता दें कि कुछ महीने पहले ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था और उत्तर कोरियाई तानाशाह के साथ बैठक भी की थी। दक्षिण कोरियाई जासूसों के अनुसार यूक्रेन से जंग में रूस की मदद के लिए उत्तर कोरिया की तरफ से 12,000 सैनिक भेजे गए हैं। दक्षिण कोरिया की योनहाप न्यूज एजेंसी ने राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) के हवाले से बताया कि उत्तर कोरियाई सैनिक रूस की सहायता के लिए पहले ही रवाना हो चुके हैं। इससे पहले जून के महीने में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुति ने 24 साल बाद उत्तर कोरिया का दौरा किया था। जहां प्योंगयांग के हवाई अड्डे पर उत्तर कोरियाई नेता किम–जोंग–उन ने व्लादिमीर पुतिन का स्वागत किया था। इस दौरान उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में उनकी सैन्य कार्रवाइयों के लिए देश के दृढ़ समर्थन की सराहना की थी। वहीं पुतिन के उत्तर कोरियाई दौरे को लेकर उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में सड़कों को पुतिन और रूसी झंडों के चित्रों से सजाया गया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।